संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 140
पृष्ठ 8
शुक्रवार
07 फरवरी 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बैली फैट से छुटकारा पाना...
विचार- राहुल गांधी का ऐतिहासिक भाषण
खेल- चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले...

यूपी में जल परिवहन और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा, प्राधिकरण के गठन को कैबिनेट की मंजूरी

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश की योगी सरकार ने राज्य में जल परिवहन एवं जल पर्यटन को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के गठन को मंजूरी दे दी है। इस प्राधिकरण के कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए उत्तर प्रदेश जलमार्ग प्राधिकरण नियमावली 2025 को प्रख्यापित किया गया है। योगी कैबिनेट ने इस नियमावली को अपनी सहमति प्रदान कर दी है। गुरुवार को लोकभवन में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक में 12 प्रस्तावों पर चर्चा हुई। इनमें से एक को छोड़कर 11 को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। गौरतलब है कि देश में 111 राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किए गए हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश में गंगा, यमुना सहित कुल 11 राष्ट्रीय जलमार्ग मौजूद हैं। जलमार्गों के जरिए परिवहन को किफायती और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से इस प्राधिकरण की स्थापना की जा रही है। सरकार का मानना है कि जल परिवहन प्रणाली विकसित होने से यातायात के अन्य साधनों पर दबाव कम होगा और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इस प्राधिकरण का नेतृत्व मुख्यमंत्री द्वारा नामित परिवहन मंत्री या अंतर्देशीय जलमार्ग, शिपिंग, नेविगेशन, पोर्ट्स और मैरीटाइम मामलों के विशेषज्ञ द्वारा किया जाएगा। उपाध्यक्ष के रूप में ऐसे ही विशेषज्ञ व्यक्तियों में से किसी एक को राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किया जाएगा। इसके अलावा, वित्त, लोक निर्माण, पर्यटन एवं संस्कृति, सिंचाई एवं जल संसाधन और वन एवं पर्यावरण विभाग के अपर मुख्य सचिव या प्रमुख सचिव इस प्राधिकरण के पदेन सदस्य होंगे। इसके अलावा, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) के अध्यक्ष द्वारा नामित एक प्रतिनिधि भी सदस्य के रूप में शामिल होगा। उत्तर प्रदेश के परिवहन आयुक्त इस प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी होंगे। इस प्राधिकरण के अंतर्गत विभिन्न महत्वपूर्ण प्रावधानों को शामिल किया गया है। इनमें अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की शक्तियां एवं कर्तव्य, आवासीय व्यवस्था, यात्रा भत्ता, बैठकों की प्रक्रिया, कोरम, सलाहकार समितियों का गठन, कार्य संचालन की प्रक्रिया, सदस्यों का कार्यकाल, विशेषज्ञों का पैनल, बजट, लेखा और लेखा परीक्षा से जुड़े नियमों को सम्मिलित किया गया है। इसके अलावा, वार्षिक लेखा रिपोर्ट, आरक्षित निधि, तथा भूमि और संपत्ति में प्रवेश करने से संबंधित प्रावधान भी निर्धारित किए गए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार जल परिवहन के साथ–साथ जल पर्यटन को भी विकसित करने की योजना बना रही है। इस प्राधिकरण के माध्यम से विभिन्न पर्यटन स्थलों को जलमार्ग से जोड़ने और उन्हें आकर्षक बनाने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। इससे पर्यटकों को एक नया अनुभव मिलेगा और राज्य की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। सरकार का यह कदम जल परिवहन को बढ़ावा देने और राज्य में आर्थिक विकास को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। 2025–26 की आबकारी नीति को भी कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। लोक भवन में गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने बताया कि इस नीति के तहत शराब की दुकानों का लाइसेंस अब ई–लॉटरी द्वारा दिया जाएगा और इस बार पुराने लाइसेंस का रिन्यूवल नहीं किया जाएगा। हालांकि, 2026–27 में लाइसेंस रिन्यूवल का विकल्प दिया जाएगा। इसके अलावा, सरकार ने 55 हजार करोड़ रुपये का राजस्व जुटाने का लक्ष्य तय किया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष से 4000 करोड़ रुपये अधिक है। नई नीति में यह भी प्रावधान किया गया है कि कोई भी व्यक्ति, फर्म या कंपनी दो से अधिक लाइसेंस नहीं ले सकेंगी। इसके अलावा, अब से विदेशी मदिरा 60 और 90 मिलीलीटर के पैक में भी उपलब्ध होगी, जो पहले नहीं थी।

कांग्रेस के मॉडल में सर्वोपरि है फैमिली फर्स्ट : मोदी

● उनसे सबका साथ, सबका विकास की उम्मीद करना बहुत बड़ी गलती : पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा में पीएम मोदी ने सदन को संबोधित किया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब दिया। मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति का अभिभाषण प्रेरक और प्रभावी था और हम सब के लिए आगे के काम करने का मार्गदर्शन भी था। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों पक्षों के सांसदों ने यहां राष्ट्रपति के भाषण पर अपने विचार व्यक्त किए और जिस तरह से इसकी व्याख्या की। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस से 'सबका साथ, सबका विकास' की उम्मीद करना बहुत बड़ी गलती होगी। यह उनकी सोच से परे है और यह उनके रोडमैप के अनुरूप भी नहीं है क्योंकि पूरी पार्टी केवल एक परिवार के लिए समर्पित है। पीएम मोदी ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस के मॉडल में परिवार पहले सबसे ऊपर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में हर चीज में तुष्टिकरण होता था। यह उनका राजनीति करने का तरीका था। उन्होंने कहा कि मैं तीसरी बार सेवा के लिए हमें चुनने के लिए देश का आभारी हूं। भारत के लोगों ने हमारी प्रगति की नीति को परखा है और हमें वादों को पूरा करते हुए देखा है। हमने लगातार श्राष्ट्र प्रथमश के आदर्श के साथ काम किया है। उन्होंने कहा कि पांच–छह दशकों तक देश के लिए कोई वैकल्पिक मॉडल नहीं था। 2014 के बाद देश को शासन का एक वैकल्पिक मॉडल मिला है। यह नया मॉडल तुष्टिकरण पर नहीं बल्कि संतुष्टि पर केंद्रित है।

24 फरवरी को भागलपुर जाएंगे पीएम मोदी, किसानों को देंगे तोहफा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली चुनाव के बाद अब भाजपा बिहार पर फोकस करने जुट गई है। इस साल के अंत में बिहार में विधानसभा के चुनाव होने हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी किसानों के कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए 24 फरवरी को बिहार का दौरा करेंगे और राज्य के लिए कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। पीएम मोदी आधिकारिक दौरे पर होंगे, फिर भी यह चुनाव से पहले विकास की कहानी को जमीनी स्तर तक ले जाने के पार्टी के प्रयासों को बढ़ावा देगा।

जानकारी के मुताबिक नए साल में पीएम मोदी का यह पहला दौरा होगा। वह 'किसान सम्मान समारोह' में हिस्सा लेंगे और किसानों के लिए कई नई योजनाओं की घोषणा भी करेंगे। उनके दौरे की तैयारी शुरू हो चुकी है। पीएम मोदी के अलावा कई केंद्रीय मंत्री भी आने वाले दिनों में केंद्र सरकार की परियोजनाओं के विकास की समीक्षा के लिए बिहार का दौरा करेंगे।

मोदी के दौरे से पहले बिहार के कृषि मंत्री मंगल पांडेय भागलपुर पहुंचे थे, जहां उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। पटना में बुधवार को उस समय विवाद खड़ा हो गया जब स्वतंत्रता सेनानी और दलित नेता जगलाल चौधरी के बेटे भूदेव चौधरी ने आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की उपस्थित में हुए उनके पिता के जयंती समारोह में उन्हें उचित सम्मान नहीं दिया गया।

अनधिकृत अप्रवासियों की वापसी नियमों के अनुसार: जयशंकर

नयी दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने गुरुवार को राज्यसभा में अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीय नागरिकों की वापसी निर्धारित प्रावधानों के अनुसार बताते हुए कहा कि सरकार नागिरकों को गैर कानूनी तरीके से विदेश भेजने वाले एजेंटों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करेगी। श्री जयशंकर ने अमेरिका से भारत भेजे जा रहे भारतीय नागरिकों के मुद्दे पर सदन में एक वक्तत्व देने के बाद उस पर विपक्षी दलों के सवालों को स्पष्टीकरण दे रहे थे। उन्होंने बयान में कहा कि सरकार केवल वैध आवागमन के पक्ष में हैं और अवैध गतिविधियों को रोकने का प्रयास करती है। अमेरिका से जो भी वापसी हो रही हैं, उनकी जांच की गयी है और आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका से वापसी की प्रक्रिया में अंतराष्ट्रीय नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। विदेश मंत्री ने वर्ष 2009 से लेकर 2024 तक अनधिकृत तरीके से गये नागरिकों की वापसी के आंकडों का हवाला देते हुए कहा कि यह कोई नया मुद्दा नहीं है।

वाराणसी में उमड़े श्रद्धालु, शहरी क्षेत्रों में आठवीं तक के स्कूल आठ फरवरी तक बंद

वाराणसी, एजेंसी। महाकुंभ में अमृत स्नान के बाद वाराणसी में तीर्थयात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने शहरी क्षेत्रों में कक्षा आठ तक के सभी स्कूलों को आठ फरवरी तक बंद रखने का आदेश दिया है। इस दौरान ऑनलाइन कक्षाएं जारी रहेंगी। बेसिक शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार पाठक ने बृहस्पतिवार को बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशानुसार वाराणसी के शहरी क्षेत्रों में आठवीं कक्षा तक के सभी सरकारी, शासकीय सहायता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई और अन्य बोर्ड से संबद्ध अंग्रेजी और हिंदी माध्यम के स्कूल आठ फरवरी तक बंद रहेंगे। इस दौरान सिर्फ ऑनलाइन कक्षाएं ही संचालित होंगी। पाठक ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूल खुले रहेंगे। इस दौरान सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में डीबीटी प्रोसेसिंग, आधार सीडिंग और स्कूल की मरम्मत, रंगकुरोगन इत्यादि जैसे कार्य जारी रहेंगे। शिक्षकों और कर्मचारियों को इन गतिविधियों की निगरानी के लिए स्कूलों में उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है।

गोवा से सीधे फ्री में जा सकेंगे प्रयागराज, सीएम ने दिखाई ट्रेन को हरी झंडी

प्रयागराज, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आस्था का महाकुम्भ चल रहा है। देश और दुनियाभर के श्रद्धालु महाकुम्भ में स्नान के लिए पहुंच रहे हैं। महाकुंभ में स्नान करने के लिए लोग काफी उत्सुक है। कई राज्यों और शहरों से लोग महाकुंभ पहुंच रहे है। देश के अलग अलग कोनों से महाकुंभ के लिए बसें और ट्रेनें खासतौर से चलाई जा रही है। इसी बीच गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने श्रद्धालुओं के लिए ट्रेन को हरी झंडी दिखाई है। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने गुरुवार छह फरवरी को रमाली रेलवे स्टेशन से श्रद्धालुओं के लिए ट्रेन को

हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है। इस ट्रेन के जरिए श्रद्धालु प्रयागराज से संगम पहुंच सकेंगे। प्रयागराज में श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाएंगे। जानकारी के मुताबिक गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने आज यानी गुरुवार 6 फरवरी को रमाली रेलवे स्टेशन से श्रद्धालुओं की ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर प्रयागराज के लिए रवाना किया। ट्रेन में सवार श्रद्धालु प्रयागराज पहुंचेंगे। श्रद्धालु यहां संगम में आस्था की पवित्र डुबकी लगाएंगे। बता दें कि हरी झंडी दिखाने के दौरान रेलवे स्टेशन पर लगातार ढोल–नगाड़े बजते रहे है। इस दौरान जय श्री राम और हर–हर महादेव के नारों भी लगते रहे है। बता दें कि ये ट्रेन एक पहल का हिस्सा है जो गोवा सरकार द्वारा धार्मिक आयोजन में भाग लेने वाले तीर्थयात्रियों की सहायता के लिए की गई व्यवस्था का हिस्सा है। सावंत ने कहा, ष्मैंने गोवा सरकार की ओर से प्रयागराज के लिए एक ट्रेन को हरी झंडी दिखाई है। मैं सभी श्रद्धालुओं को बधाई देता हूं।

यूजीसी ड्राफ्ट नियमों को लेकर सरकार पर बरसे राहुल गांधी

एक भाषा और एक इतिहास थोपना चाहती है

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मसौदा नियमों के खिलाफ द्रमुक छात्र विंग के विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मैं कुछ समय से कह रहा हूं कि आरएसएस का उद्देश्य इस देश के अन्य सभी इतिहासों, अन्य सभी संस्कृतियों, अन्य सभी परंपराओं का उन्मूलन है। यही उनका शुरुआती बिंदु है और यही वे हासिल करना चाहते हैं। उन्होंने संविधान पर हमला किया क्योंकि वे इस देश पर एक विचार, एक इतिहास, एक परंपरा और एक भाषा थोपना चाहते थे। राहुल गांधी ने कहा कि यह प्रयास जो वे विभिन्न राज्यों की शिक्षा प्रणाली के साथ कर रहे हैं, वह उनके एजेंडे को आगे बढ़ाने का एक और प्रयास है। मैं चाहता हूं कि इस तरह के कई विरोध प्रदर्शन हों क्योंकि आरएसएस को यह समझाने की जरूरत है कि वे संविधान पर हमला नहीं कर सकते। वे हमारे राज्यों पर हमला नहीं कर सकते। वे हमारी संस्कृतियों, हमारी परंपराओं और हमारे इतिहास पर हमला नहीं कर सकते। राहुल ने जोर देते हुए कहा कि आरएसएस का उद्देश्य अन्य सभी इतिहासों, संस्कृतियों और परंपराओं का उन्मूलन है। यही तो वे हासिल करना चाहते हैं। उनका इरादा देश पर एक ही विचार, इतिहास और भाषा थोपने का है। आरएसएस विभिन्न राज्यों की शिक्षा प्रणालियों के साथ भी ऐसा ही करने का प्रयास कर रहा है; यह उनके एजेंडे को आगे बढ़ाने का एक और कदम है। प्रत्येक राज्य की अपनी अनूठी परंपरा, इतिहास और भाषा होती है, यही कारण है कि संविधान में भारत को राज्यों का संघ कहा जाता है। हमें इन मतभेदों का सम्मान करना चाहिए और समझना चाहिए।

पीएम मोदी के लिए खास है अष्टमी तिथि का संयोग, 2019 में भी यही था योग

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को जिस मुहूर्त में संगम में स्नान किया वह दुर्लभ और – जप, तप और ध्यान के लिए बेहद शुभ माना जाता है। वर्ष 2019 के कुंभ में भी संगम में डुबकी लगाई थी। संयोग यह है कि 2019 में भीमा अष्टमी तिथि पर भरनी नक्षत्र और शुक्ल योग था और गुप्त नवरात्रि चल रही थी, वही योग महाकुंभ में मोदी के संगम में डुबकी लगाते समय भी रहा।

इस समय भी गुप्त नवरात्रि चल रही है जो सात फरवरी तक है। गुप्त नवरात्रि को ध्यान, साधना, पूजन और सिद्धि के लिए बेहद अहम माना जाता है। शारदीय और वासंतिक नवरात्रि की तरह गुप्त नवरात्रि भी वर्ष में दो बार माघ और आषाढ़ माह में आता है। मोदी के लिए यह योग काफी अहम है, क्योंकि 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते समय भी यही योग था।

2019 के कुंभ में पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सफाईकर्मी प्यारे लाल, ज्योति, चौबी, होरीलाल और नरेश कुमार के पांव पखार कर सामाजिक समरसता का भी संदेश दिया था। इसके बाद हुए लोकसभा चुनाव में पीएम ने प्रचंड जीत दर्ज कर दूसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। पीएम पांव पखारेंगे ऐसी कल्पना भी सम्मान प्राप्त करने वाले सफाई कर्मचारियों ने नहीं की थी।

पीएम जब पांव पखार रहे थे तो यह पांचों सफाई कर्मचारी मानो निशब्द थे, बस नम आंखें ही बोल रही थीं। कुंभ नगरी के गंगा पंडाल के इस नजारे को देखकर अन्य सफाईकर्मियों तथा स्वच्छाग्रहियों की भावनाएं ऊफान पर थीं तो मोदी ने भी इसे अपने जीवन का सबसे अविस्मरणीय पल बताया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को भक्ति–प्रेम–ज्ञान रूपी गंगा–यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम तट पर लगे विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम वाले महाकुंभ में अपने मौन से पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। मोदी ने विशेष मुहूर्त में अमृतमयी त्रिवेणी में 11 डुबकी लगाईं। भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही मां गंगा का दुग्धाभिषेक कर देशवासियों के आरोग्य और कल्याण की कामना भी की।

मौनी अमावस्या स्नान हादसे के आठ दिन बाद बुधवार को पीएम मोदी सुबह करीब 10 बजे बमरौली एयरपोर्ट पर उतरे। वहां से हेलीकॉप्टर से डीपीएस मैदान में उतरे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उन्हें लेकर अरैल घाट से मोटर बोट के जरिये 10रू49 बजे संगम पहुंचे। मोदी–मोदी के नारों के बीच उन्होंने जेटी से ही जनता का अभिवादन किया।

सिंदूरी लाल ट्रैक सूट और नारंगी धारियों वाले गहरे नीले रंग का पायजामा पहने पीएम मां गंगा को प्रणाम करते हुए आगे बढ़े। गले में रुद्राक्ष की माला और हाथ में जप के लिए माला लिए पीएम ने गुप्त नवरात्र में भीमा अष्टमी तिथि पर भरनी नक्षत्र और पावन शुक्ल योग में स्नान किया। मंत्रोच्चार कर रहे पुजारियों के मुताबिक पीएम ने कुल 11 डुबकियां लगाईं।

इसके बाद सूर्य को अर्घ्य देकर पूर्वाभिमुख होकर करीब 10 मिनट तक

रुद्राक्ष की माला जपी। पीएम ने मां गंगा को चुनरी चढ़ाई। तांबे की लुटिया में लाए जल से सोना, काला तिल के साथ तर्पण–अर्पण भी किया।

स्नान के बाद काले रंग का कुर्ता व जैकेट, हिमाचली टोपी, सफेद पायजामा और गले में केसरिया गमछा डाले पीएम को पुजारी राजेश तिवारी, अभिषेक शुक्ला और गिरीश मिश्रा ने षोडशोपचार विधि से मां गंगा का दुग्धाभिषेक, आरती और सविधि पूजन कराया। पीएम ने देशवासियों के सुख–समृद्धि, आरोग्य और कल्याण की कामना की। पीएम कुल 39 मिनट तक संगम तट पर रहे। फिर, 11रू28 बजे सीएम योगी के साथ मोटर बोट पर सवार होकर अरैल स्थित हेलीपैड की तरफ बढ़े। भीड़ की ओर से मोदी–मोदी की गूंज सुनकर उन्होंने लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान रास्ते भर सीएम ने उन्हें महाकुंभ के आयोजन से जुड़ी जानकारियां भी दीं।

लौटने के बाद एक्स हैंडल पर पीएम मोदी ने संगम में स्नान की तस्वीरों को साझा करते हुए लिखा... मां गंगा का आशीर्वाद पाकर मन को असीम शांति और संतोष मिला। दूसरी पोस्ट में कुछ और तस्वीरों को साझा करते हुए पीएम ने लिखा कि प्रयागराज के दिव्य–भव्य महाकुंभ में आस्था, भक्ति और अध्यात्म का संगम हर किसी को अभिभूत कर रहा है।

पीएम इसके पहले 13 दिसंबर–24 को संगम आए थे। उस दौरान उन्होंने एक सभा को भी संबोधित किया था। हालांकि, इस बार वह जलमार्ग से संगम तक आए और यहीं से लौट गए। वीआईपी मूवमेंट से श्रद्धालुओं को कोई तकलीफ न हो, इसलिए अन्य जगहों का कार्यक्रम नहीं रखा।

13 जनवरी को पौष पूर्णिमा से शुरू हुए विश्व से इस सबसे बड़े सांस्कृतिक–धार्मिक समागम महाकुंभ में अब तक 39 करोड़ से अधिक लोग संगम में स्नान कर चुके हैं। महाकुंभ का आखिरी स्नान 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर होगा।

मणिपुर के सीएम ने संगम में लगाई आस्था की डुबकी, राष्ट्र की समृद्धि के लिए की प्रार्थना

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में डुबकी लगाते हुए उन्होंने देश की शांति, एकता और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। स्नान के पश्चात मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया में पोस्ट करते हुए कहा कि इस पावन संगम में खड़े

होकर दिव्यता का आलिंगन होता है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बृहस्पतिवार को संगम में आस्था की डुबकी लगाई। उन्होंने इस अलौकिक क्षण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देने वाला अनुभव बताया। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में डुबकी लगाते हुए उन्होंने देश की शांति, एकता और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। स्नान के पश्चात मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया में पोस्ट करते हुए कहा कि इस पावन संगम में खड़े होकर दिव्यता का आलिंगन होता है। इसका शीतल जल केवल शरीर को नहीं, बल्कि आत्मा को भी शुद्ध करता है और जीवन के समस्त बोझ हर लेता है। इस शुभ अवसर पर उनके साथ मणिपुर सरकार के मंत्री मंडल सहयोगी व विधायक भी उपस्थित रहे।

58 साल पहले बिंदु का देश तो छूटा पर गंगा से रिश्ता नहीं टूटा

प्रयागराज। 58 साल पहले बिंदु का देश तो छूट गया, लेकिन उनका गंगा से रिश्ता नहीं टूटा। वो 36 साल से लगातार अर्धकुंभ और महाकुंभ में कल्पवास करने के लिए आ रही हैं।

देश तो 58 साल पहले ही छूट गया था, लेकिन मां गंगा से नाता आज तक नहीं टूट सका। अर्धकुंभ हो चाहें महाकुंभ बिंदु देवी कल्पवास के लिए पिछले 36 वर्षों से यहां पहुंच रही हैं। 80 साल की बिंदु गंगा से एकदम अपनी मां की तरह ही प्रेम करती हैं। यही कारण है कि हर साल माघ के महीने में संगम के तट पर स्नान करने जरूर आती हैं। 1966 में बिंदु भारत से थाईलैंड चली गईं और वहीं की होकर रह गईं। त्रिवेणी के तट पर कल्पवास के लिए पहुंचीं बिंदु हर रोज गंगा में डुबकी लगा रही हैं। मूलरूप से गोरखपुर की रहने वाली बिंदु का शरीर अब अशक्त भी हो चुका है। इसीलिए दामाद और बेटी उनको कल्पवास कराने के लिए लेकर आए हैं। बिंदु देवी ने बताया कि वह पूरी तरह से कल्पवास के नियमों का पालन कर रही हैं। दर्शन, पूजन, स्नान और ध्यान नियमित रूप से हो रहा है। बताया कि वह अभी तक तीन महाकुंभ और कई अर्धकुंभ में शामिल हो चुकी हैं। इस बार थाइलैंड से सीधे प्रयागराज महाकुंभ में शामिल होने के लिए पहुंची हैं। बिंदु ने बताया कि 1966 में शादी के बाद पति सभाजीत राम त्रिपाठी के साथ ही थाइलैंड में बस गई थीं। पति का निधन 1980 में होने के बाद चार बेटों और दो बेटियों की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। चार बेटों में से दो मल्टीनेशनल कंपनी में इंजीनियर हैं, जबकि बाकी दो बड़ी कंपनियों में कार्यरत हैं। एक बेटी साइंटिस्ट और दूसरी माधवी भारत में ही रहती है।

बिंदु देवी के दामाद विद्यारत्न ने बताया कि उनकी सास पिछले 36 सालों से हर साल कल्पवास के लिए प्रयागराज आती हैं। यहां हम लोगों ने एक एक टेंट बुक किया और एक महीने तक रहकर उनके साथ कल्पवास करते हुए प्रतिदिन स्नान और पूजा पाठ कर रहे हैं। बेटी माधवी ने बताया कि वह भी मां के साथ प्रतिदिन संगम किनारे पहुंचती हैं। कहा कि यह उनके लिए सौभाग्य की बात है कि मां के साथ प्रयागराज में कुंभ की डुबकी लगाने का मौका मिला। बताया कि मां थाईलैंड रहती जरूर हैं, लेकिन वह हर वर्ष कल्पवास के लिए यहां आती हैं।

साढ़ेपांच सौ साल बाद दिगंबर अनी अखाड़े में लोकतंत्र, सभी पदाधिकारियों का कार्यकाल हुआ तय

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान वैष्णवों के सबसे बड़े दिगंबर अनी अखाड़े ने अपनी करीब साढ़े पांच सौ साल पुरानी परंपरा छोड़कर लोकतांत्रिक ढांचे की ओर कदम बढ़ा दिया। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान वैष्णवों के सबसे बड़े दिगंबर अनी अखाड़े ने अपनी करीब साढ़े पांच सौ साल पुरानी परंपरा छोड़कर लोकतांत्रिक ढांचे की ओर कदम बढ़ा दिया। अन्य दोनों अनी अखाड़े की तरह दिगंबर अनी अखाड़े में भी अब न सिर्फ सभी अहम पदों के चुनाव होगा बल्कि उनका कार्यकाल भी बारह साल के लिए तय कर दिया। अभी तक अखाड़े के पदाधिकारियों का कोई कार्यकाल तय नहीं रहता था। अखाड़े के अध्यक्ष, महामंत्री समेत अन्य पदाधिकारी आजीवन इस पद पर बने रहते थे। महाकुंभ के दौरान नए पदाधिकारी भी चुन लिए गए। अखिल भारतीय श्रीपंच दिगंबर अनी अखाड़े को छोड़कर अनी निर्वाणी एवं निर्मोही अखाड़े में व्यवस्था संचालन के लिए हर बारह साल में पदाधिकारियों का चुनाव होता है। लेकिन, दिगंबर अनी अखाड़ा में यह व्यवस्था लागू नहीं थी। अखाड़े के पदाधिकारी आजीवन पद पर बने रहते थे। उनकी मृत्यु अथवा किसी अन्य वजह से स्थान खाली हो जाने पर ही नए सदस्य को कार्यकारिणी में जगह मिलती थी। पिछले करीब साढ़े पांच सौ साल से अखाड़े में यही परंपरा काम कर रही थी। प्रयाग महाकुंभ के दौरान दिगंबर अखाड़े ने अपनी परंपरा बदलने का फैसला किया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमहंत माधव दास मौनी बाबा बताते हैं अखाड़े ने पहली दफा सभी पदाधिकारियों का कार्यकाल बारह साल के लिए तय करते हुए पहली दफा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, दो मंत्री, कोषाध्यक्ष समेत महंत पद के लिए चुनाव कराए गए। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष वैष्णव दास (अयोध्या), महामंत्री बलराम दास (उज्जैन), मंत्री जानकी दास (फरीदाबाद) पुजारी सीताराम दास (छत्तीसगढ़) बनाए गए। आम सहमति से इनका चुनाव हुआ। अब अगले बारह साल तक यह पदाधिकारी अखाड़े की बागडोर संभालेंगे। अगले प्रयाग कुंभ के दौरान फिर से चुनाव होगा। इनकी अगुवाई में ही अखाड़े ने कुंभ पूर्व पूरा किया।

दिगंबर अनी अखाड़ा अन्य दोनों अनी अखाड़ों के मुकाबले सबसे बड़ा माना जाता है। अखाड़े की पूरे देश में छह बैठक– अयोध्या, पुरी, नासिक, चित्रकूट, उज्जैन एवं वृंदावन में है। अखाड़ा पदाधिकारियों का कहना है पूरे देश में इससे जुड़े लाखों साधु–महात्मा फैले हुए हैं। यह खलासों में विभाजित हैं। अखाड़ों से जुड़े श्रद्धालुओं की संख्या भी करोड़ों में है। अखाड़े के नियंत्रण में देश भर के तमाम मठ–मंदिर हैं। खेती योग्य जमीन के साथ अरबों की संपत्ति है। अखाड़ा पदाधिकारियों के मुताबिक दिगंबर अनी अखाड़े की स्थापना स्वामी बालानंदाचार्य ने वर्ष 1475 में की थी। इसके बाद अखाड़े ने समय–समय पर अपना विस्तार किया। इसमें बल्लभानंदचार्य, अनुभवनंदाचार्य जैसे संतों की भूमिका सबसे अधिक रही। अखाड़े की धर्मध्वजा में पांच रंग (लाल, पीला हरा, सफेद एवं काला) अलग–अलग समूहों को स्थान देने के लिए शामिल किए गए। साधु–महंत राम एवं कृष्ण की उपासना करते हैं। अखाड़े के ईष्टदेव हनुमान जी महाराज हैं। संत सफेद वस्त्र धारण करने के साथ ही त्रिपुंड लगाते हैं।

वास्तुविद, डॉक्टर, आईटी डेवलपर ने गुरु दीक्षा लेकर अपनाया सनातन धर्म

प्रयागराज। शक्तिधाम के शिविर में वास्तुविद, डॉक्टर, आईटी डेवलपर ने गुरु दीक्षा लेकर सनातन धर्म अपना लिया। शांति की कामना से वास्तुविद, डॉक्टर, आईटी डेवलपर के अलावा कई प्रोफेशनल्स ने गुरु मंत्र लिया। महाकुंभ में आने वाला हर व्यक्ति सनातन के रंग में रंगा नजर आ रहा है। शक्तिधाम के शिविर में बुधवार को 61 विदेशी श्रद्धालुओं ने गुरु दीक्षा लेकर सनातन धर्म को मन से अपनाया। शांति की कामना से वास्तुविद, डॉक्टर, आईटी डेवलपर के अलावा कई प्रोफेशनल्स ने गुरु मंत्र लिया।

बुधवार को सेक्टर 17 में स्थित शक्तिधाम आश्रम में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि–विधान से 61 विदेशी श्रद्धालुओं ने जगद्गुरु साईं मां लक्ष्मी देवी से दीक्षा ली और सनातन को अंगीकार किया। विदेशी श्रद्धालु ऊं नमः शिवाय की धुन पर नाचते–गाते दिखे। सांई मां लक्ष्मी देवी ने कहा कि हजारों साल पुराना सनातन धर्म अपने हाथ में अद्भुत है। नशे और तनाव में डूबे हुए आज के युवाओं को सही राह सनातन ही दिखा सकता है।

गुरु दीक्षा लेने वाली बेल्जियम में अस्थि रोग चिकित्सा के क्षेत्र में काम करने वाली कैथरीन गिल्डेमिन कहती हैं कि रोजमर्रा के जीवन की भाग–दौड़ ने उनके जीवन में काफी तनाव बढ़ा दिया था। व्यक्तिगत जीवन भी ठीक नहीं चल रहा था, इसी दौरान वह जगद्गुरु सांई मां के सानिध्य में आईं, जिसके चलते वह सनातन से रूबरू हुई और उनके जीवन को एक नई दिशा मिली।

महाकुंभ में भीड़ बढ़ने के बाद पांटून पुल बाइक के लिए किए गए बंद, श्रद्धालुओं में भारी उबाल

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। महाकुंभ में पुल नंबर 19 पुल बंद करने के बाद लोगों में जबर्दस्त आक्रोश है। भीड़ बढ़ने के बाद प्रशासन ने अधिकांश पुलों को बंद कर दिया गया है। इससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वीआईपी आवागमन होने के कारण पुलों को बंद कर दिया गया है। लोगों को एक दूसरे पुल पर भेजा जा रहा है, लेकिन जब श्रद्धालु दूसरे पुल पर पहुंच रहे हैं तो वहां भी पुल बंद मिल रहा है। इस तरह लोग एक दूसरे पुल का चक्कर काट रहे हैं। पुलों के दोनों तरफ लोगों की भारी भीड़ है।

महाकुंभ में भारी भीड़ के चलते प्रयागराज–वाराणसी राजमार्ग पर बना पक्का पुल (शास्त्री सेतु) पर सुबह से ही जाम लगा है और वाहन रेंग रहे हैं। इसी तरह पांटून पुल भी बंद कर दिया गया है। इससे लोग एक दूसरे तरफ नहीं जा पा रहे हैं। अगर पैदल जाने दिया जा रहा है तो दो पहिया वाहनों को पुल से नहीं गुजरने दिया जा रहा है। वाहनों के लिए मेला क्षेत्र चार फरवरी तक नो व्हीकल जोन घोषित किया गया था, लेकिन छह फरवरी को भी वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

पैदल श्रद्धालुओं के लिए कुछ पुल खुले हैं, लेकिन दो पहिया वाहनों को पुल से गुजरने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। इससे वाहनों की लंबी कतार लग गई है। अपने वृद्ध परिजनों को बाइक पर बैठाकर मेला क्षेत्र में पहुंचे श्रद्धालु काफी परेशान हैं।

माना जा रहा था कि वसंत पंचमी अमृत स्नान के बाद मेले की व्यवस्था दुरुस्त हो जाएगी और लोग कम से कम दो पहिया वाहनों से मेले में जा सकेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। तीन फरवरी को वसंत पंचमी बीतने के बाद भीड़ काफी बढ़ गई है। वाहनों का भारी दबाव होने के कारण अधिकांश पांटून पुलों पर बाइक की एंट्री रोक दी गई है। कुछ पांटून पुल रिजर्व रखे गए हैं, जिन पर सिर्फ प्रशासन और पुलिस के वाहनों के अलावा वीआईपी गाड़ियों का आवागमन हो रहा है।

'छह दिन होय गै पिता को खोजत, वय जिंदा हैं या मर गएओ...', पिता की तलाश में छह दिन से भटक रहा बेटा

प्रयागराज। महाकुंभ में मौनी अमावस्या की रात संगम में हुए हादसे के बाद से मध्यप्रदेश के सागर के रहने वाले बुजुर्ग लापता हैं। पिता की तलाश में छह दिन से बेटा भटक रहा है। बेटा छह दिन से मोर्चरी और अस्पताल के चक्कर काट रहा है।

छह दिन होय गै पिता को खोजत। वय जिंदा हैं या मर गएओ, यऊ बताय वाला कोउ नाय। पुलिसवालन अस्पताल भेजत हैं, अऊ डाक्टर मुरदाघर। अब तक हमाए पिता का कोई पता नाय। कहां जाएं, का करयं।

मध्य प्रदेश के सागर के रहने वाले अशोक पटेल इतना कहते हुए फूट–फूट कर रोने लगे। वह उन लोगों में से हैं, जो मौनी अमावस्या के बाद से एक पल भी चौन की सांस नहीं ले सके हैं। हादसे वाली रात से गायक पिता की तलाश में वह सात दिन से अस्पताल से मोर्चरी और मोर्चरी से अस्पताल के चक्कर काट रहे हैं।

हर बीतते दिन के साथ अब पिता के मिलने की उम्मीदों के साथ उनकी खुद की हिम्मत भी जवाब देने लगी है। फिलहाल बची–कुची हिम्मत के सहारे वह अपने पिता को तलाशने में दिन रात एक किए हुए हैं।

अशोक मूलरूप से मध्य प्रदेश के सागर जिले के गुंजोरा गांव के रहने वाले हैं। उनके 60 वर्षीय पिता तिजई पटेल मौनी अमावस्या पर गांव के 10–15 लोगों के साथ स्नान के लिए संगम पहुंचे थे। अशोक बताते हैं अगले दिन साथ गए गांव के लोग लौट आए, लेकिन उनके पिता नहीं आए। पूछने पर बताया कि मौनी अमावस्या की रात संगम में हुए हादसे के बाद से वह लापता हैं।

बहुत खोजा लेकिन उनका कुछ पता नहीं चला। इसके बाद वह खुद एक रिश्तेदार के साथ यहां आकर पिता की तलाश में जुट गए। छह दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक कुछ पता नहीं चल पाया है। अशोक कहते हैं कि उन्हें कुछ नहीं चाहिए। बस उनके पिता सही सलामत मिल जाएं। शासन प्रशासन से हाथ जोड़कर यही मिन्नत करते हैं कि पिता को ढूंढ़ने में उनकी मदद की जाए।

महाकुंभ से कई श्रद्धालुओं के लापता होने की खबरों के बीच बिहार निवासी महिला का शव बिना कार्रवाई के ले जाने का दबाव बनाने का आरोप भी लगा है। इस संबंध में एक एक्स हैंडल से किया गया पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, अमर उजाला इस तरह के किसी पोस्ट की पुष्टि नहीं करता है।

इस पोस्ट में दावा किया गया है कि 29 जनवरी को बिहार निवासी 52 वर्षीय सुनैना देवी सेक्टर 21 में हुए हादसे के बाद लापता हो गई थीं। पोस्ट में यह भी लिखा कि उनके बेटे नीतम पटेल ने आरोप लगाया कि काफी खोजबीन के बाद चार फरवरी को उसकी मां का शव मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में मिला।

आरोप है कि वहां प्रशासन ने बिना किसी कार्रवाई के शव ले जाने की जबरदस्ती की, ताकि आधिकारिक मृतकों की सूची में उनका नाम शामिल न हो पाए। 30 मृतकों की सूची में उनका नाम शामिल भी नहीं है। हॉस्पिटल प्रशासन पर आरोप है कि बिना पोस्टमार्टम के ही शव ले जाने का दबाव बनाया गया। हालांकि, पोस्ट में लगाए गए आरोपों की पुष्टि नहीं हुई है।

महाकुंभ में होंगी मलखंब, कबड्डी, कुश्ती प्रतियोगिता, 13 फरवरी तक होगा प्रदर्शन

प्रयागराज। महाकुंभ में क्रीड़ा भारती की ओर से खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। इसके साथ ही इस दौरान खेलों पर सेमिनार व परिचर्चा भी होगी। प्रतियोगिताओं का आयोजन 6 से 13 फरवरी तक सेक्टर–10 प्रयागराज महाकुंभ मेला क्षेत्र होगा। इसमें कबड्डी, मलखंब, कुश्ती और खो–खो बालकध्बालिका और महिलाध्पुरुष वर्ग की प्रतियोगिता होंगी। खिलाड़ियों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था आयोजकों द्वारा की गई है। ब्रज प्रांत अध्यक्ष डॉ. रीनेश मित्तल, मंत्री रोहित ने बताया की कबड्डी प्रतियोगिता 6 से 8 फरवरी तक मलखंब प्रतियोगिता 8–9 फरवरी तक कुश्ती प्रतियोगिता 8–9 फरवरी तक और खो–खो प्रतियोगिता 10 से 12 फरवरी तक आयोजित होगी। प्रतियोगिता में देशभर से अलग–अलग प्रदेशों के खिलाड़ी प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे। विजेताओं को जूनियर वर्ग में 25 हजार व सीनियर वर्ग में 50 हजार रुपये पुरस्कार दिया जाएगा। खेल मेले के संयोजक सीताराम ने बताया कि ब्रज प्रांत के आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, अलीगढ़, बरेली, शाहजहांपुर, बदायूं, कासगंज, एटा के लोग प्रतियोगिता संपन्न कराने और व्यवस्थाओं के लिए जाएगे। 17 से 19 फरवरी प्रदेशीय समन्वय सीनियर महिला कुश्ती प्रतियोगिता वाराणसी में आयोजित होगी। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली आगरा मंडल की टीम का जिलास्तरीय ट्रायल 11 फरवरी को सुबह 11 बजे से एकलव्य स्टेडियम में होगा। 19 से 24 फरवरी तक प्रदेशीय सीनियर महिला हॉकी प्रतियोगिता झांसी में होगी। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली आगरा मंडल की टीम का जिलास्तरीय ट्रायल 12 फरवरी को सुबह 11 बजे से एकलव्य स्टेडियम में होगा। ट्रायल में किसी भी आयुवर्ग की महिला खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकती हैं। इच्छुक खिलाड़ी नगर निगम द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र, स्वयं व माता–पिता के आधार कार्ड, सीएमओ द्वारा जारी आयु व चिकित्सा प्रमाण पत्र के साथ ट्रायल में पहुंचें।

पंडाल में गांव की 'दुनिया का अहसास

प्रयागराज। गांव की श्दुनियाश का अहसास करना हो तो मेला क्षेत्र के सेक्टर सात में पहुंच जाइए। यहां पंचायतीराज मंत्रालय की ओर से पवेलियन बनाया गया है। इसमें लोगों को गांव की जीवनशैली और संस्कृति का अनुभव होगा। इसे चार बीघे में बसाया गया है। इसे मुंबई फिल्म सिटी के कलाकारों ने तैयार किया है। संगम की रेती पर अनोखे तरीके भारत सरकार की योजना अमृत सरोवर को भी बनाया गया है, जो आकर्षण का क्रेंद्र बना है। पवेलियन में प्राथमिक विद्यालय नागवासुकि को प्लाई, मिट्टी और पेंट से तैयार किया गया है। इसमें आधुनिक सामाग्री का उपयोग नहीं किया गया है। घास–फूस से गांव का कच्चा मकान भी तैयार किया गया है।

जिलाधिकारी ने शेल्टर होम अचलपुर, अचलपुर वार्ड, वृद्धाआश्रम, वन स्टाप सेन्टर, शिशु बालगृह एवं प्रयास राजकीय अक्षम विद्यालय का किया निरीक्षण

अचलपुर वार्ड के निरीक्षण में जिनके पास आवास व शौचालय नहीं था तत्काल आवश्यक कार्यवाही का जिलाधिकारी ने दिया निर्देश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने शेल्टर होम अचलपुर, अचलपुर वार्ड, वृद्धाआश्रम, वन स्टाप सेन्टर, शिशु बालगृह शुकुलपुर एवं प्रयास राजकीय अक्षम विद्यालय बढ़नी का निरीक्षण किया। शेल्टर होम के निरीक्षण में जिलाधिकारी ने शेल्टर होम के प्रबन्धक श्याम शंकर से शेल्टर होम में लोगो दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी ली, ईओ नगर पालिका परिषद द्वारा बताया गया कि शेल्टर होम डूडा विभाग द्वारा बनाया गया था जिसका संचालन नगर पालिका परिषद के माध्यम से कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान शेल्टर होम में कुम्भ की ड्यिटी में लगे पीएसी बल के जवान शेल्टर होम में ठहरे हुये थे, जिलाधिकारी ने पीएसी बल के जवानों से खान–पान आदि की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान दीवालों में शीलन थी जिस पर निर्देशित किया गया कि इंजीनियर को बुलाकर चेक कराया जाये और साफ–सफाई, रंगाई पुताई बेहतर ढंग से करायी जाये। इसके उपरान्त अचलपुर वार्ड की गलियों का निरीक्षण किया और निरीक्षण के दौरान लोगों की समस्यायें सुनी और ईओ को निर्देशित किया गया कि जिनके पास आवास और शौचालय की सुविधा नही है उनको तत्काल आवश्यक कार्यवाही करते हुये लाभान्वित करायें। इस दौरान वार्ड में सफाई कर्मियों द्वारा नालियों और चकरोड की सफाई की जा रही थी जिस पर उनके वेतन के सम्बन्ध में जानकारी ली तो बताया गया कि वेतन समय से मिल जाता है।

इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने वृद्धाआश्रम का निरीक्षण किया और वृद्धाआश्रम के प्रबन्धक अमितेश मिश्रा वृद्धजनों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली तो बताया गया कि 84 वृद्धजन पंजीकृत है और मौके पर 78 वृद्धजन है जिनमें 55 पुरूष एवं 23 महिलायें है। इस दौरान वृद्धाआश्रम में निवास कर रहे वृद्धजनों से उनके स्वास्थ्य, मिलने वाली सुविधाओ, खान–पान आदि की जानकारी प्राप्त की, एक वृद्धजन वृद्धाआश्रम से अपने घर वापस जाना चाह रही है जिस पर जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि वृद्ध महिला को सुव्यवस्थित तरीके से एक कर्मचारी के साथ उनके आवास तक भेजने की व्यवस्था की जाये। जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सीएमओ को पत्र भेजकर वृद्धाआश्रम में वृद्धजनों का महीने में दो बार मेडिकल टीम आकर स्वास्थ्य परीक्षण करें और निःशुल्क दवा उपलब्ध करायी जाये और इसकी रिपोर्ट दी जाये। वृद्धजनों के मनोरंजन के लिये भजन, कीर्तन के कार्य कराये जाये। वृद्धजनों को उनकी आवश्यकता के अनुसार कपड़ा, जूता, चप्पल आदि की सुविधा मुहैया करायी जाये। वृद्धाआश्रम में साक्षी मिश्रा कार्मिक से वेतन मिलने सम्बन्धी जानकारी ली गयी तो बताया गया कि 8 हजार रूपये मिलता है जिस पर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि कार्मिक का वेतन 10 हजार किया जाये। वृद्धाआश्रम में यदि किसी भी प्रकार की समस्या आये तो अवगत कराया जाये।

इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने भुलियापुर में स्थापित वन स्टाप सेन्टर का निरीक्षण किया। वन स्टाप सेन्टर के आस–पास कूड़ा पाया गया जिस पर तत्काल ईओ नगर पालिका को डस्टबीन रखवाने हेतु निर्देशित किया। केन्द्र प्रशासक वन स्टाप सेन्टर नीरजा कुमारी को निर्देशित किया गया कि वन स्टाप सेन्टर में साफ–सफाई की व्यवस्था बेहतर करें। निरीक्षण के दौरान वन स्टाप सेन्टर में हिंसा से पीड़ित एक महिला पायी गयी जिस पर जिलाधिकारी ने पीड़ित महिला से प्रकरण की जानकारी प्राप्त की। केन्द्र प्रशासक को निर्देशित किया गया कि वन स्टाफ सेन्टर के टोल फ्री नम्बर 181 का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार किया जाये जिससे हिंसा से प्रभावित महिलाओं को एक ही छत के नीचे एकीकृत सहयोग और सहायता मिल सके। वन स्टाप सेन्टर पर महत्वपूर्ण अधिकारियों के मोबाइल नम्बर चस्पा किये जाये जिससे कोई भी समस्या आने पर सूचित किया जा सके। वन स्टाप सेन्टर में विद्यालयों की छात्राओं का भ्रमण कराया जाये जिससे वह जागरूक हो सके। थानों में हिंसा से पीड़ित महिलाओं को वेन स्टाफ सेन्टर भेजा जाये।

इसके उपरान्त शिशु बालगृह शुकुलपुर के निरीक्षण का किया गया जहां पर 0 से 10 वर्ष के अनाथ बच्चे रहते है। शिशु बालगृह के प्रबन्धक अरविन्द ने बताया कि इस समय शिशु बालगृह में 07 बच्चे रह रहे है, जिन्हें भिन्न–भिन्न स्थानों पर पाया गया था। शिशु बालगृह में रह रहे बच्चों से जिलाधिकारी ने वार्ता की। शिशु बालगृह के साफ–सफाई को बेहतर करने व पेड़–पौधे लगाये जाने के निर्देश दिये गये। प्रबन्धक को निर्देशित किया गया कि शिशु बालगृह जो भी कमियां एवं आवश्यकतायें है उसको अवगत करा दें जिससे व्यवस्थायें करायी जा सके।

इसके उपरान्त प्रयास राजकीय अक्षम विद्यालय बढ़नी का निरीक्षण किया गया। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि 08 नवम्बर 2023 को अक्षम विद्यालय भवन पूर्ण हुआ था, जिस पर जिलाधिकारी ने भवन की स्थिति देखकर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और तत्काल सम्बन्धित कार्यदायी संस्था से वार्ता कर वस्तुस्थिति से अवगत कराने का निर्देश दिया। विद्यालय में बच्चों के लिये बनाये गये भोजन की गुणवत्ता को देखा गया जिसमें चावल ठीक ढंग से नही बना था उसमें सुधार लाने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि विद्यालय की साफ–सफाई बेहतर करें, मिट्टी के गुणवत्ता की जांच करायी जाये जिससे पता चल सके कि इस मिट्टी में कौन से पौधा लगाने हेतु उपयुक्त होगा इसके सम्बन्ध में अवगत कराया जाये। इस दौरान बच्चों को दिये जाने वाली भोजन तालिका का अवलोकन किया और निर्देशित किया कि बच्चों को दोनो समय भोजन में दाल दिया जाये। विद्यालय में पंजीकृत बच्चे 28 है और मौके पर 16 बच्चे उपस्थित है, यहां पर 17 अध्यापकों को स्टाफ है जिसमें से 05 की नियुक्ति है और अन्य स्टाफ खाली है। इस दौरान जिलाधिकारी ने दिव्यांग निदेशालय में उच्चाधिकारी से वार्ता की तो बताया गया कि आउटसोर्सिंग पर अध्यापक रखने की प्रक्रिया चल रही है। जिलाधिकारी ने इस दौरान विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों के कक्षों का निरीक्षण किया गया और पठन पाठन, मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। विद्यालय की साफ–सफाई हेतु आउटसोर्सिंग पर कर्मचारी रखे जाये। निरीक्षण के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी मनीष कुमार मिश्रा, ईओ नगर पालिका परिषद बेल्हा राकेश कुमार उपस्थित रहे।

भक्ति संगीत उपशास्त्रीय गायन राजा विक्रमादित्य पर आधारित नाट्य प्रस्तुति

प्रयागराज। श्रीराम–केवट प्रसंग से जुडा बुन्देलखण्ड का ढिमरियाई लोकनृत्य, जन्म मृत्यु पर्यन्त जनजातीय संस्कृति को समर्पित गदली नृत्य, कबीरदास के जीवन के सत्य को उदधारित करने वाले मीठे मधुर भजन, विविध शास्त्रीय रागों में निबद्ध भजन, ऐतिहासिक राजा विक्रमादित्य पर आधारित नाट्य मंचन की तलस्पर्शी प्रस्तुतियां महाकुम्भ में आगत श्रद्धालु तीर्थ यात्रियों व दर्शकों को भारतीय लोक संस्कृति की मन को छू लेने वाले प्रस्तुति से मुग्ध करती रहीं। मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग के सेक्टर 7 स्थित मध्य प्रदेश मंडप में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारम्भ कबीर के भजनों से हुआ। देवास से पधारे विजेन्द्र कुरड एवं साथियों द्वारा, वारिजाउ बलिहार जाउ, तेरी मेंरी करते उमर बीती सारी जैसे भजनों से हुआ। कोरकू जनजाति का गदली नृत्य ने जनजातीय लोक के सांस्कृतिक जीवन का दर्शन, तथ इन्दौर से पधारी शोभा चौधरी एवं साथियों द्वारा राग भाटियार में वक्रतुण्ड महाकाय, राग भिन्न सडज में शांताकारं भुजगशयनं, राग मंगल में रामधुन के अतिरिक्त राग यमन, राग कलावती में निबद्ध तुलसी के भजनों के गायन से भक्ति की रसधारा से श्रोताओं को रसपान कराया। लोकपर्व का एवं प्रमुख आकर्शण उज्जैन की संस्था विशाला द्वारा प्रस्तुत ऐतिहसिक राजा विक्रमादित्य पर आधारित नाट्य प्रस्तुति थी। इस नाटक की परिकल्पना मध्यप्रदेश के 'मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी' की, नाटक का निर्देशन संजीव मालवीय और संयोजन राजेश सिंह कुशवाहा ने किया है। नाटक में विक्रम वेताल, वेताल पचीसी, सिंहासन बत्तीसी, विदेशी आक्रमणकारी शको को पराजित करना अयोध्या के चौरासी मन्दिरो का जीर्णोद्धार तथा रामराज्य की स्थापना की दिषा में राजा विक्रमादित्य के प्रयासो को कसे हुये द्रश्यबन्धों के माध्यम से मंचित किया गया।

महर्षि अगस्त्य की सिद्ध चिकित्सा पद्धति पर कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर में महर्षि अगस्त्य की सिद्ध चिकित्सा पद्धति पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्यातिथि श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय ने महर्षि अगस्त्य के विषय में विस्तार से वक्तव्य देते हुए उन्हें सिद्ध चिकित्सा पद्धति के जनक के रूप में स्थापित किया।

महाकुंभ मेला 2025 के दौरान अतिरिक्त विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए **महाकुंभ मेला-2025** के दौरान अतिरिक्त विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

गाड़ी सं. 07117/07118 तिरुपति-दानापुर-तिरुपति महाकुंभ मेला विशेष रेलगाड़ी

07117 तिरुपति-दानापुर		स्टेशन	07118 दानापुर-तिरुपति	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	23:45 (शुक्र.)	तिरुपति	13:55 (बुध.)	--
15:53	15:55	मानिकपुर जं.	23:10	23:12
17:45	17:50	प्रयागराज छिवकी	20:25	20:30
19:03	19:05	मिर्जापुर	19:10	19:12
23:55 (रवि.)	--	दानापुर	--	15:15 (सोम.)

तिरुपति से:- गाड़ी सं. 07117, दिनांक 14.02.2025 (शुक्रवार) को। दानापुर से:- गाड़ी सं. 07118, दिनांक 17.02.2025 (सोमवार) को। गाड़ी संरचना: वाता. द्वितीय श्रेणी-01, वाता. तृतीय श्रेणी-06, स्लीपर श्रेणी-08, सामान्य श्रेणी-02

गाड़ी सं. 07119/07120 तिरुपति-दानापुर-तिरुपति महाकुंभ मेला विशेष रेलगाड़ी

07119 तिरुपति-दानापुर		स्टेशन	07120 दानापुर-तिरुपति	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	23:45 (मंगल)	तिरुपति	13:45 (रवि.)	--
15:53	15:55	मानिकपुर जं.	23:10	23:12
17:45	17:50	प्रयागराज छिवकी	20:25	20:30
19:03	19:05	मिर्जापुर	19:10	19:12
23:55 (गुरु.)	--	दानापुर	--	15:15 (शुक्र.)

तिरुपति से:- गाड़ी सं. 07119, दि. 18.02.2025 (मंगलवार) को। दानापुर से:- गाड़ी सं. 07120, दि. 21.02.2025 (शुक्रवार) को। गाड़ी संरचना: वाता. प्रथम श्रेणी- 01, वाता. द्वितीय श्रेणी-02, वाता. तृतीय श्रेणी-05, स्लीपर श्रेणी-08, सामान्य श्रेणी-02

नोट: रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 259/25 FA

आर्य साहित्य सम्मेलन 15– 16 फरवरी को आयोजित

झूंसी, प्रयागराज। साहित्यकार सम्मेलन, अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं वैदिक महासम्मेलन 15–16 (शनिवार व रविवार) को। इस भव्य आयोजन में अखिल भारतीय साहित्यकार सम्मेलन व वेद सम्मेलन में शामिल होंगे। विश्व के अनेक देशों के विद्वान, साहित्यकार और वेद वागीश। अदभुत होगा महाकुंभ में साहित्यकारों का यह कुंभ।

पचास से अधिक साहित्यकार होंगे सम्मानित

महासम्मेलन का आधार विषयदृ महर्षि दयानंद जन्म द्वि शताब्दी वर्ष, आर्यसमाज स्थापना के 150 वर्ष और वैदिक वाड.मय की सनातन धारा पर चिंतन–विमर्श वेद, वैदिक वांगमय, समाज व राष्ट नव निर्माण के लिए कार्य करने वाली संस्था आर्य लेखक परिषद् दिल्ली 15–16 फरवरी को महाकुंभ प्रयागराज में अखिल भारतीय साहित्यकार और आर्य वैदिक महासम्मेलन का आयोजन कुंभ मेला परिसर खंड –18 में कर रही है। महासम्मेलन के संयोजक व परिषद के सचिव वरिष्ठ पत्रकार व साहित्यकार आचार्य अखिलेश आर्येन्दु के मुताबिक महासम्मेलन में जहां भारतीय संस्कृति, वैदिक धर्म और अध्यात्म के तमाम पक्षों पर खुल कर चर्चा की जाएगी वहीं पर हिंदी, देवनागरी लिपि, पत्रकारों और साहित्यकारों का समाज सुधार में भूमिका, वैदिक संस्कारों का नई पीढ़ी के नव निर्माण में भूमिका, महान समाज सुधारक और हिंदी के महान संवाहक व निर्माता महर्षि दयानंद जन्म के दो सौ साल, आर्यसमाज स्थापना के 150 साल पूरे होने, आर्यसमाज के शुद्धि आंदोलन और मौजूदा दौर में घर वापसी की जरूरत जैसे तमाम सम सामयिक विषयों पर परिचर्चा होगी, वहीं पर 15 फरवरी को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया है। दो दिनी इस साहित्य, संस्कृति, वैदिक धर्म और ज्ञान चर्चा में कुल आठ सत्र होंगे जिनमें देश–विदेश से आए वैदिक विद्वान, वेद मनीषी, वेद शोधार्थी, हिंदी, भोजपुरी, अवधी, ब्रज भाषा के साहित्यकार, कवि और पत्रकार बड़ी तादाद में हिस्सा लेंगे। जिनमें दिल्ली से डॉ. प्रेम चंद्र पंतजलि पूर्व कुलपति पूर्वांचल व दिल्ली विश्व विद्यालय, आचार्य रूप चंद्र दीपक व प्रो. सत्यकाम आर्य (लखनऊ) डॉ. प्रमोद अग्रवाल (आईएएस) डॉ. धर्म यश (इंडोनेशिया) साहित्यकार व प्रयागराज उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता हरेन्द्र प्रसाद, डॉ. सुरेश चंद्र शुक्ल (नार्वे) वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. विजयानंद (झूंसी) देश के प्रख्यात समाजसेवी राम नाथ लूथरा (शाहदरा दिल्ली), चर्चित समाज सेवी व चिंतक गोपाल भाई (चित्रकूट) लोकेश शर्मा, सतेंद्र कुमार वशिष्ठ (दिल्ली) डॉ. हरीसिंह पाल (दिल्ली) साहित्यकार व संपादक विजय चितौरी, कवि अमर नाथ सिंह (प्रयागराज) वरिष्ठ पत्रकार व आंदोलनकर्मी संत समीर (दिल्ली) वैदिक प्रवक्ता आचार्य जगदीश दिनेश, आचार्य अशर्फीलाल शास्त्री (प्रयागराज) साहित्यकार राकेश चक्र (मुरादाबाद), डॉ. रसिक किशोर सिंह नीरज (बांदा) आर्य नेता कन्हैया लाल आर्य (गुरुग्राम) जैसे पचास से ज्यादा साहित्यकारों और वैदिक आचार्यों की भागीदारी होगी। सम्मेलन में विदेशी साहित्यकारों के अलावा देश के दस राज्यों से आए साहित्यकार व पत्रकार हिस्सा लेंगे। इस दौरान सम्मेलन में परिषद की स्मारिका आर्ष प्रज्ञा पुंज, वरिष्ठ साहित्यकार अखिलेश आर्येन्दु लिखित पुस्तक शाकाहार दृ विश्व शांति और सर्वोत्तम स्वास्थ्य का आधार सहित अनेक पुस्तकों का लोकार्पण किया जाएगा।

पहलः बायोडिग्रेडेबल कैरी बैग्स बनेगा पॉलीथिन बैग का विकल्प

–नगर निगम क्षेत्र में अब 7000 किलो पॉलीथिन बैग को किया गया रिप्लेस

मथुरा। बायोडिग्रेडेबल कैरी बैग्स प्रतिबंधित पॉलीथिन बैग्स (पन्नी) का विकल्प बन रहा है। अब तक नगर निगम क्षेत्र में 7000 किलो पॉलीथिन बैग को रिप्लेस किया गया है। नगर निगम मथुरा वृंदावन की सीमा के अंतर्गत 23 दिसंबर से 31 जनवरी तक प्लास्टिक उन्मूलन महा अभियान चलाया गया। महा अभियान के तहत निकायों में आईसी गतिविधियां संपादित कर व्यापक प्रचार प्रसार करने एवं विशेष रूप से सिंगल यूज प्लास्टिक की रोकथाम एवं सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पॉलीथिन उपयोगकर्ताओं के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं पॉलिथीन जब्त करने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में सहायक नगर आयुक्त कल्पना सिंह चौहान के नेतृत्व में नगर निगम मथुरा वृंदावन द्वारा समस्त जोन में प्लास्टिक उन्मूलन महा अभियान के अंतर्गत निरंतर कार्यवाही की गई। इस अभियान के अंतर्गत समस्त वार्डों के सफाई निरीक्षकों के द्वारा सहायक नगर आयुक्त के निर्देशानुसार अपने अपने वार्डों के सार्वजनिक स्थल एवं व्यावसायिक स्थलों पर प्रतिदिन प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पॉलिथीन की रोकथाम हेतु कार्यवाही की गई। इस दौरान 900 किलोग्राम प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पॉलिथीन जब्त की गई एवं रुपया 3,29,100 रूपये का जुर्माना वसूला गया। नगर निगम मथुरा वृंदावन द्वारा मिशन परिवर्तन के अंतर्गत अभिनव प्रयास करते हुए बायोडिग्रेडेबल कैरी बैग्स के इस्तेमाल की शुरुआत की गई जिसमें प्लास्टिक बैग्स के विकल्प के रूप में बायोडिग्रेडेबल बैग्स का प्रयोग दैनिक रूप से किए जाने हेतु प्रचार प्रसार किया गया। अभियान एवं नगर निगम मथुरा वृंदावन के द्वारा नियमित रूप से प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पॉलिथीन के विरुद्ध की जारी रही कार्यवाही का यह असर हुआ है कि नगर में अब तक लगभग 7000 किलो प्रतिबंधित पॉलिथीन को बायोडिग्रेडेबल बैग से रिप्लेस किया जा चुका है। साथ ही नगर के सभी सम्मानित नागरिकों से यह अपील है कि बाजार में खरीदारी करते समय यथासंभव कपड़े के थैले, कागज के थैले अथवा बायोडिग्रेडेबल बैग्स का ही इस्तेमाल करें एवं नगर निगम मथुरा वृंदावन को प्लास्टिक मुक्त बनाने में नगर निगम प्रशासन को सहयोग प्रदान करें।

सर्दी के मौसम में गर्मी के बढ़ने से गेंहू की फसल पर असर

मथुरा। अचानक मौसम में परिवर्तन होने से फसल पर असर पड़ने लगा है तेज धूप के चलते तापमान अधिक होने लगा है जिससे फरवरी माह में ही मार्च जैसे हालात हो गए हैं जिससे किसानों की चिंता बढ़ा दी है। बढते तापमान को किसान गेंहू की फसल के लिए नुकसानदायक बताते हुये चिंता जता रहे हैं। जनवरी के आखरी पखवाड़े के साथ ही फरवरी माह की शुरुआत से ही मौसम में बदलाव महसूस किया जा रहा है। दिन के समय अधिक तेज धूप के चलते गर्मी हो रही हैं। ऐसे में गेहूं की फसल के मार्च जैसी तेज धूप फरवरी में नुकसान दायक साबित हो रही हैं। ऐसे में गेहूं की फसल केलिए मार्च जैसी तेज धूप फरवरी में बेहद नुकसान साबित हो रही है। ऐसे में किसानों को गेहूं की फसल में पैदावार में अधिक नुकसान उठाना पड़ सकता हैं। अगर मौसम में नर्मिन आई तो गेंहू की पैदावार कम होना लगभग तय माना जा रहा हैं। राजेश कुमार चौबे शहबदा बताते हैं कि तापमान बढ़ने से गेहूं की फसल पर असर पड़ सकता है ।सुवह शाम पड़ रही ठंड के कारण अभी चिंता कम है अगर तापमान में और वृद्धि होती है तो गेंहू की फसल में उत्पादन लागत निकलना मुश्किल होगा। वही किसान मोहन सिकरवार बताते हैं कि मौसम में तेज धूप से किसानों की चिंताएं बाद गयी हैं जैसा तापमान अभी नजर आ रहा है अगर ऐसा ही रहा तो गेंहू की फसल में पैदावार में कमी आएगी। इनदिनों तापमन ज्यादा नहीं होना चाहिए। जिला कृषि अधिकारी के मुताबिक तापमान और अधिक बढ़ता है तो गेंहू के पौधों की वध्द्धि प्रभावित होती हैं।

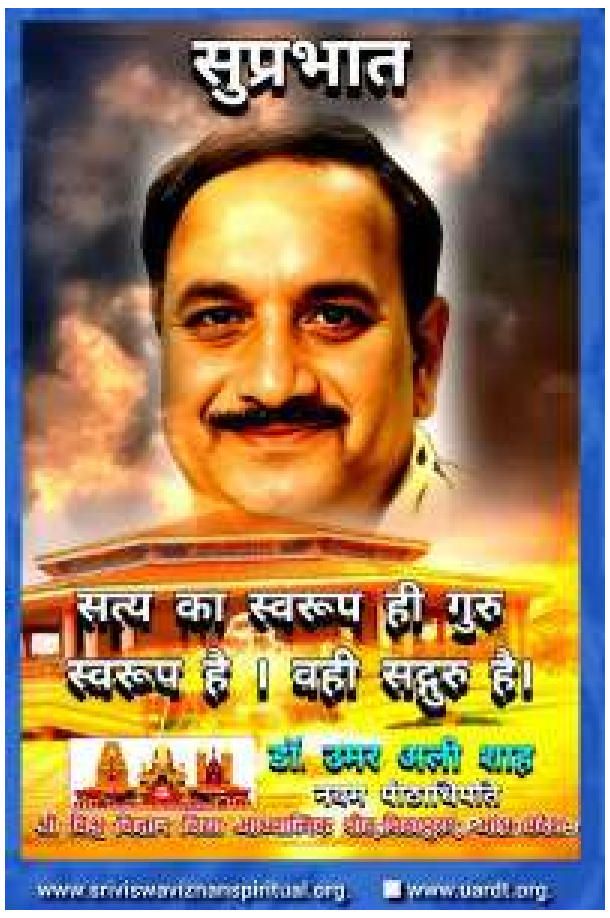

डॉ सीमा वर्णिका ने मैजिक बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स –2025 में दर्ज कराया नाम

कानपुर। पौराणिक अष्टादश सममात्रिक छंद पर आधारित श्सुकृतश छंद संग्रह जिसमें शहर की जानी मानी साहित्यकार सीमा वर्णिका द्वारा 226 रचनायें सृजित की गयीं हैं। यह किताब

श्सुकृतश मैजिक बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स–2025 में चयनित हुई। यह सम्मान समारोह शदि कार्शल ऑफ आर्ट थियेटरश दशमेश प्लाजा, फरीदाबाद एन सी आर दिल्ली में सम्पन्न हुआ।

नोएडा इकाई काव्य गोष्ठी संपन्न

नोएडा। शहर समता विचार मंच.नोयडा इकाई की महिला काव्य गोष्टी प्रवीणा त्रिवेदी प्रज्ञा के दिशा निर्देश में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई । इस काव्यगोष्ठी की मुख्यअतिथि 'यामा शर्मा ' रहीं। 'अर्चना ' ने कर्यक्रम का अध्यक्ष और विशिष्ट अतिथि का पद संभाला। यह काव्य गोष्ठी शाम 5 बजे से 7 बजे तक चली जिसका शुभारंभ यामा शर्मा ने किया उन्होंने ही सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति व माल्यार्पण किया।'स अनोवारा ने अपनी एक सुंदर प्रस्तुति भी दी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन व संयोजन प्रवीणा त्रिवेदी प्रज्ञा ने किया।

इस काव्य गोष्ठी में सभी बहिनों ने अपनी अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दिये ।चाहे वो प्रवीणा त्रिवेदी का रचना 'वसन्त गीत' हो या अर्चना कोहली की रचना हो या अनीता सिंह का बेहतरीन षीतष हो या बहिन अवंतिका की रचनाष मेरी झोली भरकर जानाष हो या ममता की रचना 'हम उत्तरा खण्डी हैंष' तथा यामा शर्मा का वसन्त गीत हो या शिवानी चन्द्रा की घ्गजलघ हो अथवा माधवी मिश्रा का ष्कुम्भ दर्शन'हो। कुल मिलाकर सभी की रचनाओं ने एक सुंदर सा समां सा बाँध दिया। पूरा आयोजन बहुत ही सुंदर बन गया। आयोजन का समापन प्रवीणा त्रिवेदी प्रज्ञा ने ही किया।

एटीएम बदल कर निकाल लिये 40 हजार, पुलिस अब तक दो लोगों को भेज चुकी है जेल

मथुरा। थाना छाता पुलिस ने एटीएम बदलकर रुपये निकालने वाले एक व्यक्ति को अवैध असलाह व कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक थाना छाता संजय कुमार त्यागी के मुताबिक गुरूवार को देशराज पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी नगरिया तीन बीसा थाना कोसीकलां जनपद मथुरा को बरसाना फ्लाई ओवर पार करके बम्बे के पास से एक अवैधा तमंचा व एक जिन्दा कारतूस सहित गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आर्म्स एक्ट में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सम्पादकीय.......

जबरन वापसी

यह विडंबना ही है कि पूरे विश्व को लोकतांत्रिक मूल्यों, मानव अधिकारों व आदर्श जीवन मूल्यों की नसीहत देने वाले अमेरिका ने विभिन्न देशों के कथित अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने की कार्रवाई को बलपूर्वक अंजाम दिया है। सुनहरे सपनों की आस में घर–खेत दांव पर लगाकर व एजेंटों को लाखों रुपये देकर अमेरिका पहुंचे युवाओं ने सपने में नहीं सोचा होगा कि उन्हें अपराधियों की तरह वापस उनके देश भेजा जाएगा। ये हमारे नीति–नियंताओं की विफलता ही है कि हमारी युवा शक्ति दुनिया के विभिन्न देशों में लुट–पिटकर अपमानजनक स्थितियों का सामना कर रही है। कभी उन्हें पूर्वी एशिया के देशों में साइबर अपराधी बंधक बनाकर ऑनलाइन धोखाधड़ी को अंजाम देते हैं, तो कभी उन्हें धोखे से बिचौलिए रूसी सेना में भर्ती करवा देते हैं। कभी उन्हें इस्राइल–हमास के भयावह युद्धग्रस्त इलाके में काम की तलाश में पहुंचा दिया जाता है। लाखों भारतवंशियों ने अपनी मेधा व पसीने से अमेरिका की प्रतिष्ठा पर चार–चांद लगाए हैं। अंतरिक्ष में इतिहास रचने वाली कल्पना चावला से लेकर भारतवंशी कमला हैरिस, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से अमेरिका में उपराष्ट्रपति पद तक हासिल किया। यह विडंबना ही है कि मूलतरू प्रवासियों द्वारा बसाये देश अमेरिका में आज सेना के बल पर बेहतर भविष्य की तलाश में आए प्रवासियों को खदेड़ा जा रहा है। मैक्सिको की सीमा पर दीवार खड़ी करके सेना तैनात की जा रही है। यह विडंबना ही कि प्रधानमंत्री मोदी की वाशिंगटन यात्रा से कुछ दिन पहले एक अमेरिकी सैन्य विमान से दो सौ से अधिक कथित अवैध भारतीय प्रवासियों को जबरन वापस भारत लाया गया है। निश्चित रूप से संकीर्णतावादी सोच का पक्षधर ट्रंप प्रशासन दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भारत के साथ वैसा व्यवहार नहीं कर सकता जैसा कि वह अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला, होंडुरास, पेरू के प्रवासियों के साथ कर रहा है। हालांकि, एक अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत, अमेरिका में गए सर्वाधिक अवैध अप्रवासियों वाले देशों में शुमार है। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा से पूर्व जबरन की गई 'निर्वासन उड़ान' विसंगतियों व विडंबनाओं की ही घोतक है। हालांकि, भारत ने कूटनीतिक प्रयासों से अवैध अप्रवासन पर समयानुकूल निर्णय लेकर दोनों देशों में संबंध सामान्य बनाने का प्रयास किया। दरअसल, अमेरिका की हालिया यात्रा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जमीनी स्तर पर बेहतर कूटनीतिक प्रयास किये। उन्होंने ट्रंप प्रशासन को इस बात को लेकर आश्वस्त किया कि भारत अपने भटके हुए नागरिकों की वैध वापसी के लिये तैयार है। निस्संदेह, भारत ने समझदारी से टकराव टालने का सार्थक प्रयास किया ताकि मोदी–ट्रंप की मुलाकात से पहले दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट न घुले। निश्चय ही तुनक मिजाज ट्रंप व उनके प्रशासन से इस मुद्दे पर अड़ने में कोई समझदारी भी नहीं थी। ऐसी ही स्थिति पर कोलम्बिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो द्वारा अपने प्रवासी नागरिकों से भरे अमेरिकी सेना के जहाज को न उतरने देने की घोषणा करके अपने लिए अपमानजनक स्थितियां पैदा कर दी थी। पहले उन्होंने निर्वासित लोगों को ले जाने वाली सैन्य उड़ानों को स्वीकार करने से मना कर दिया था। लेकिन फिर राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कोलंबिया पर टैरिफ और प्रतिबंध लगाने की धमकी के बाद उन्होंने यू–टर्न ले लिया। अब वही कोलंबिया के राष्ट्रपति प्रवासियों से तुरंत घर आने और 'सामाजिक संपदा' के निर्माण में योगदान का अनुरोध कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारत के पास अमेरिका से निर्वासन के लिये चिन्हित अपने करीब अट्ठारह हजार कथित अवैध प्रवासी नागरिकों के पुनर्वास को लेकर कोई योजना है? सरकार कैसे सुनिश्चित करेगी कि भविष्य में ये लोग फिर किसी आप्रवासन का दुस्साहस नहीं करेंगे? निश्चित रूप से समय की मांग है कि बेईमान ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी कार्रवाई की जाए, जो युवाओं को सुनहरे सपने दिखाकर अवैध रूप से अमेरिका व अन्य देशों में भेजते हैं।

राहुल गांधी का ऐतिहासिक भाषण

प्रेम शर्मा

जहां तक राहुल गांधी के बयान का सवाल है, तो यह उन्होंने इस संदर्भ में कहा कि अगर आज भारत तकनीकी तौर पर चीन जितना सक्षम होता तो अमेरिका के आगे कमजोर महसूस नहीं करना पड़ता।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार 3 फरवरी को सदन में एक ऐतिहासिक भाषण दिया, जिसमें आधुनिक विश्व में भारत को आगे ले जाने का पूरा खाका उन्होंने खींच दिया। लगभग पौन घंटे के भाषण में राहुल गांधी ने एक साथ कई पहलुओं को छुआ। विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने की आवश्यकता, चीनी वस्तुओं पर निर्भरता कम करना, इलेक्ट्रिक मोटर, बैटरी, ऑप्टिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी भविष्य की तकनीकों को अपनाना, मेक इन इंडिया कार्यक्रम की कमियों को दूर करना और इसके साथ लोकतंत्र और संविधान को मजबूत करने के उपाय, सब कुछ राहुल गांधी के भाषण में समाहित था। संसद के पिछले कई सत्रों में राहुल गांधी को आक्रामकता के साथ भाषण देते देखा गया है, खास कर नेता प्रतिपक्ष बनने या उससे पहले पिछली सरकार में जब उनकी संसद सदस्यता फिर से बहाल हुई थी, तब अडानी, हिंदुत्व, संविधान और लोकतंत्र पर हो रहे हमले, जातिगत जनगणना ऐसे कई मुद्दों पर राहुल गांधी तीखे तेवर के साथ भाषण देते थे। उनके भाषण अक्सर हिंदी में होते थे, जिसमें सत्तापक्ष काफी टोका–टाकी और व्यवधान डालने की कोशिश करता था। लेकिन इस बजट सत्र में राहुल गांधी का एकदम अलग अंदाज नजर आया। उन्होंने न अपनी आवाज ऊंची की, न वे कहीं विचलित होते हुए दिखे। राहुल गांधी ने भाषण की शुरुआत में ही अपना चुटीला अंदाज भी दिखाया, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने जब उनका नाम लिया, लेकिन कैमरे में नेता प्रतिपक्ष नजर नहीं आए, तो उन्होंने थोड़ा रुककर इंतजार किया कि कैमरा उनकी तरफ घूमे और जब कैमरा उनकी तरफ आया तो उन्होंने ओम बिड़ला और कैमरा को मुस्कुराते हुए डबल थैंक्यू कहा, इस तरह राहुल गांधी ने दिखा दिया कि अब उन्हें उपेक्षित करने की मोदी सरकार की कोशिश कामयाब नहीं होगी। अपने पूरे संबोधन में राहुल गांधी ने अपनी बात कहने के लिए एक स्पष्ट रणनीति, एक सधी हुई भाषा–शैली और एक परिपक्व सोच का परिचय दिया। सरकार पर हमला या हल्ला बोलने की जगह इस बार उन्होंने सरकार की कमियां दिखाईं, और उन्हें दूर करने ठोस व रचनात्मक सुझाव भी दे दिए। नेता प्रतिपक्ष ने डेटा, उत्पादन और एआई समेत कई मुद्दों पर केंद्र सरकार से कहा कि आपको डेटा पर काम करना चाहिए। हमारे पास प्रोडक्शन (उत्पादन) और कंजप्शन (खपत) तक किसी का भी डेटा नहीं है। अगर हमारे पास डेटा होता तो हमारे विदेश मंत्री को प्रधानमंत्री के निमंत्रण के लिए तीन बार अमेरिका नहीं जाना पड़ता। उनके इस बयान पर संसदीय कार्यमंत्री ने फौरन ऐतराज जताया, विदेश मंत्री एस जयशंकर भी इस बात के लिए राहुल गांधी की निंदा कर रहे हैं। हालांकि राहुल गांधी से पहले निमंत्रण का मुद्दा सुब्रमण्यम स्वामी उठाते रहे हैं, लेकिन भाजपा ने उन्हें कभी कुछ नहीं कहा। जहां तक राहुल गांधी के बयान का सवाल है, तो यह उन्होंने इस संदर्भ में कहा कि अगर आज भारत तकनीकी तौर पर चीन जितना सक्षम होता तो अमेरिका के आगे कमजोर महसूस नहीं करना पड़ता। और आज की यह कड़वी हकीकत भी है, जिससे केंद्र सरकार मुंह चुरा रही है। यह तथ्य है कि डोनाल्ड ट्रंप ने शी जिनपिंग को खुद फोन कर न्यौता दिया था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी को नहीं बुलाया था। और जब श्री मोदी ने अपने दोस्त ट्रंप को बधाई दी और आपसी सहयोग की बात की, उसके बाद ट्रंप ने मंगलवार को अमेरिका में अवैध तरीके से रह रहे भारतीयों की पहली खेप सैन्य विमान में बिठाकर रवाना कर दी। यहां सीधे–सीधे भारत को अपमानित किया गया, लेकिन सरकार इस पर कुछ नहीं कह रही। बहरहाल, अपने संबोधन में राहुल गांधी ने देश में हुई अहम क्रंतियों का उल्लेख करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी की अपने पिता द्वारा शुरू की जा रही कंप्यूटर क्रांति का विरोध किए जाने का जिक्र भी किया, लेकिन साथ ही यह कहना नहीं भूले कि वह वाजपेयी का बेहद सम्मान करते हैं। यानी राहुल गांधी कहीं से भी सरकार से तकरार करने की मुद्रा में नहीं दिखे। जैसे महाराष्ट्र के नतीजों का जिक्र करते हुए जब उन्होंने चुनाव आयोग पर सवाल उठाए तो कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच 70 लाख नए वोटर जोड़े गए। महाराष्ट्र में जितने पांच साल में जुड़े, उससे ज्यादा आखिरी पांच महीने में जोड़े गए। शिर्डी की एक बिल्डिंग में सात हजार नए वोटर जुड़े। उन्होंने कहा कि मैं कोई आरोप नहीं लगा रहा हूं, सिर्फ ये कह रहा हूं कि कुछ ना कुछ दिक्कत है। इसके अलावा उन्होंने चुनाव आयुक्त के चयन की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। राहुल गांधी ने बेरोजगारी का मुद्दा भी उठाया और यह भी माना कि यूपीए सरकार में भी पर्याप्त काम नहीं हुआ था। यानी नेता प्रतिपक्ष ने केवल एनडीए की गलतियां नहीं गिनाईं अपने दोष भी माने। कुल मिलाकर राहुल गांधी एक दूरदृष्टा के तौर पर सामने आए, जिन्हें देश के बुनियादी मुद्दों की समझ है और समस्याओं के समाधान भी उनके पास हैं। राहुल गांधी के इस शानदार भाषण के बाद उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री मोदी भी इसी तरह का उच्च स्तरीय जवाब देंगे, लेकिन उनके भाषण ने फिर निराश किया, क्योंकि वे पूरे वक्त कांग्रेस और गांधी परिवार की आलोचना या अपनी वाहवाही में लगे रहे। राहुल गांधी के पिछले दिनों दिए गए भाषणों और बयानों पर ही प्रधानमंत्री जवाब देते रहे। फिर चाहे वह इंडियन स्टेट से लड़ाई की बात हो, राष्ट्रपति के भाषण को बोरिंग कहने वाली टिप्पणी हो या बजट पर राहुल गांधी की बैंडेड वाली प्रतिक्रिया हो। नरेन्द्र मोदी उसी में उलझे रहे। अपने भाषण में श्री मोदी ने गांधी परिवार पर भी निम्न स्तरीय हमला किया। उन्होंने कहा कि आज किसी एस टी परिवार के तीन सदस्य संसद में नहीं हैं, इस तरह प्रधानमंत्री ने गांधी परिवार से तीन सांसदों के होने पर भी निशाना साधा, जबकि इन तीन में से दो, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को तो सीधे जनता ने निर्वाचित किया है और सोनिया गांधी राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुई हैं। लेकिन श्री मोदी पर गांधी परिवार का खौफ इतना है कि वो अब जनता के फैसलों पर भी सवाल उठा रहे हैं। हालांकि उनसे उम्मीद इस बात की है कि वे विपक्ष द्वारा जनता के लिए उठाए गए सवालों पर जवाब दें।

अपनों की लाशों पर होती सियासत की अघोर–साधना

डॉ. दीपक पाचपोर

भारत ने अपनों की लाशों पर बैठकर अघोर–साधना सीख ली है। जिस सियासत को भारत की करूणा और संवेदना के परम्परागत मूल्यों को आगे बढ़ाना था, उसने सभी को विकास के रास्तों की बजाये सूने श्मशानों की ओर मोड़ दिया है जहां हमारे मूल्यों की लाशें जल रही हैं। सत्ता मजे से इन चिताओं की आग तापती है और उनके ठंडे होने पर उसकी राख शरीर पर मलकर संन्यासी का रूप धारण कर सम्मान बटोर रही है। देश में चल रही यह अघोर–साधना कुछ दलों को तो तात्कालिक लाभ पहुंचा सकती है पर यकीन मानिये, यह एक दिन पूरे देश को श्मशान में बदलकर रख देगी जिसमें सतत चिताएं जलेंगी और उनमें अघोरियों का राज होगा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जारी महाकुम्भ में 29 व 30 जनवरी की दर्मियानी रात को हुई भगदड़ में लोगों के कुचले जाने के बाद जो कुछ हो रहा है, उसे देखकर तो कम से कम यही कहा जा सकता है। बेशक, भारत हादसों का देश है जहां प्रकृतिजन्य हों या मानव जनित, नाना प्रकार की दुर्घटनाएं होती रहती हैं। देशवासियों के जेहन में अनेक ऐसे हादसे हैं जिनमें न जाने कितने लोगों ने जानें गंवाईं या घायल हुए हैंय और यह कोई आज की बात नहीं है, लेकिन ऐसे किसी भी हादसे पर यह देश न तो मुस्कुराता था, न हंसता था, न अट्टहास करता था। नयी बात यह है कि भारतीय समाज की संवेदना का तत्व भाप बनकर उड़ गया है। अब उसे किसी भी दुर्घटना पर गम नहीं होता। पुलों के गिरने से लोग मरें चाहें बाढ़ में बह जायें, एक के बाद एक ट्रेनें पलटती जायें या भीड़ में लोग दब जायें, कोरोना में जनता मारी जाये या नावें डूब जायें– अब वह न संवेदना प्रकट करता है और न ही उसकी करूणा जागती है– वह उसमें धर्म, जाति, सम्प्रदाय और राजनीति का एंगल ढूंढ़ता है। किसी भी दुखद घटना पर पहले भारत बिलखता था, पर अब बड़ी से बड़ी त्रासदी को वह टॉनिक की तरह पीता है और ताकत बटोरता है। बस, यही नया भारत है! यही उसकी अघोर साधना है जिसमें वह राजनीति के पंच–मकार का सेवन कर रहा है। छल–प्रपंच वाली सियासत का मल–मूत्र हो या जनता का मांस, सत्ता की मदिरा हो या फिर अपवित्र सियासी गठबन्धनों से मिलने वाला मैथुन सा सुख– उसके लिये अब कुछ भी वर्जित नहीं रहा। वर्तमान राजनीति का सबसे दुखद पहलू यह है कि देश को यत्नपूर्वक करूणा और संवेदना की उस उदात्त परम्परा से अलग किया जा रहा है जिसके कारण भारत का दुनिया भर में मान है। यह सम्मान ढाई हजार साल पहले गौतम बुद्ध और महावीर ने देश के लिये आविष्कृत किया था। जब उसे भारत भूलता जा रहा था तो महात्मा गांधी एक रिमाइंडर की तरह आये जिन्होंने इसी रास्ते पर चलते हुए दुरूह किस्म की स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी। एक तरफ आजादी का संघर्ष चलता रहा तो दूसरी ओर संवेदना और उससे ऊपजे समानता, बन्धुत्व, धर्मनिरपेक्षता सदृश्य मूल्यों को भी भारत ने संजोये रखा था। आजादी के बाद हमारे राष्ट्र निर्माताओं ने जिन मूल्यों पर देश के नवनिर्माण का ब्लू प्रिंट तैयार किया उनमें सत्य व अहिंसा के साथ स्वतंत्रता, समानता, बन्धुत्व, धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद जैसे तत्व प्रमुख थे जो अंततरू संवेदना–करूणा पर ही आधारित होते हैं।यह दरअसल एक पूरा पैकेज हैजो लोकतंत्र कहलाता है। इन मूल्यों का संरक्षण एक जनतांत्रिक प्रणाली में ही सम्भव है। इसलिये पिछले करीब आठ दशकों में कई सरकारें आयीं परन्तु किसी ने इन तत्वों के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश नहीं की थी। कोई भी सत्ता न निर्मम हुई और न ही उसने अपनी प्रजा को हिंसक या नफरती बनने के लिये उकसाया या उसका मार्गदर्शन किया। इसी मार्ग पर चलकर भारत ने जो प्रगति की उससे साबित हुआ कि ये मूल्य भौतिक जीवन को भी बेहतर बनाने में मददगार हैं। इसके पीछे एक और बड़ा कारण यह भी है कि हमारे राजनीतिक पुरखे देश को आधुनिक बनाना चाहते थे और आधुनिकता की सबसे बड़ी पहचान संवेदनशीलता है। औद्योगिक क्रांति के साथ प्रारम्भ नवयुग के दौरान हुए अनेक दार्शनिकों, विचारकों एवं सुधारवादी नेताओं ने समाज और व्यवस्था को मानवीय चेहरा पहनाने के जो उपक्रम किये, वही देश में संवेदना की विस्तार यात्रा है और निरंतरता भी। मानवीय संवेदना को संरक्षित रखने और विकसित होने के लिये विशिष्ट सामाजिक व्यवस्था की आवश्यकता होती है। राजतंत्र, सामंती व्यवस्था या तानाशाही– ये सारी प्रणालियां संवेदना शून्य होकर ही स्थापित होती हैं और निष्ठुर होकर काम करती हैं। हिंसक गतिविधियां, अमानवीयता, निर्ममता, शोषण, उत्पीड़न और विरोधियों का दमन इनके पाये होते हैं। स्पष्ट है कि जिस व्यवस्था में लोकतंत्र रहेगा वहीं मानवीय संवेदनाएं संरक्षित–संवर्धित हो सकती हैं और जनता द्वारा उसकी मांग भी सम्भव है। इसी शासन प्रणाली में एक संवेदनशील समाज निर्माण की सर्वाधिक सम्भावनाएं होती हैं। दुर्भाग्य से कुछ शक्तियों का रास्ता इस वैचारिकी से अलग है। अनेक संगठन एवं व्यक्ति ऐसे हैं जिनके लिए उदाता का मतलब कमजोरी है। अहिंसा उनके लिये कायरता, समानता अवांछनीय, धर्मनिरपेक्षता तुष्टिकरण तथा बन्धुत्व अस्वीकार्य है। पिछले दशक भर से हमारे लोकतांत्रिक जीवन के सारे ही कोमल तत्व सुनियोजित तरीके से समाप्त किये जा रहे हैं। माना यह जाने लगा है कि देश केवल बहुसंख्यकों की मर्जी से ही चलेगा तथा अल्पसंख्यकों का दर्जा दोयम नागरिकों का रहेगा। देश में दो तरह के कानून चलेंगे। शक्तिशाली व सत्ता से जुड़े लोगों के लिये अलग तथा वंचितों व कमजोर लोगों के लिये अलहदा। कहने को तो देश में संविधान और कानून है लेकिन वह सबके लिए बराबर है, अब यह कोई नहीं कह सकता। देश अब चंद लोगों के हाथों में है जिसका संचालन अब कार्पोरेट लॉबी करती है। सारी सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक व्यवस्थाएं केंद्रीकृत हो गयी हैं। इस व्यवस्था को बनाने के लिये राज्य आधारित हिंसा तथा प्रशासकीय क्रूरता जरूरी होती है तथा ऐसी जनता तैयार की जाती है जो संवेदनहीन हो। धर्मांधता, जातीयता और साम्प्रदायिकता जब बढ़ती है तो परस्पर नफरत और घृणा में भी इजाफा होता है। इन सबका उत्स और केन्द्र सत्ता होती है, अतरू इस मानसिकता के साथ तैयार हुई जनता यह मान लेती है कि जो नजरिया सत्ता का है, वही उसका भी होना चाहिये– यही देशभक्ति है, यही धर्म की सेवा है। अपनी शक्ति को बरकरार रखने के लिये सत्ताएं भी अपने समर्थकों को नफरती व हिंसक बनाती हैंय और इस प्रक्रिया की शुरुआत संवेदनहीनता से होती है।पिछले दशक भर का इतिहास देखें तो बलात्कारियों के स्वागत से लेकर उनके साथ खड़े होने और उनका समर्थन देने का रहा है। कोरोना में न जाने कितने लोग नदियों में बहा दिये गये या रेत में दफन हुए– नागरिक सवाल पूछने की बजाये सत्ता के साथ रहे। अब महाकुम्भ की त्रासदी में अपने ही देश के नागरिकों की मौत पर लोग संजीदा न होकर उसमें राजनीतिक एंगल खोज रहे हैं। कोई बाबाजी कहते हैं कि यहां मरने से मोक्ष मिलेगा तो कोई सवाल करने वाले शंकराचार्य को अपशब्द कह रहा है। संवेदना ही पशुता और मानवता के बीच की विभाजन रेखा खींचती है। भारत की विश्व भर में इसी मूल्य के कारण बड़ी धाक है। यह दुखद है कि भारत इस मूल्य को क्षुद्र राजनीति के चलते त्याग रहा है। बगैर करूणा व संवेदना के भारत की कल्पना भी नहीं की जा सकती है।

निम्न और मध्यम वर्ग को सिर्फ कर में छूट देना मांग को बढ़ाने के लिए पर्याप्त नहीं

अंजन रॉय

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के आठवें बजट के बारे में एकमात्र बड़ा विचार 12 लाख रुपये तक की आयकर छूट की घोषणा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह 7 लाख रुपये की छूट सीमा से बहुत बड़ी छलांग है। हालांकि इसमें एक राजनीतिक पेंच है। लेकिन एक तरह से यह दिल्ली बिजली शुल्क के बारे में आप की अवधारणा से उधार लिया गया है। यानी, अगर आय 12 लाख रुपये से एक रुपया ज्यादा है, तो 4 लाख रुपये की आय से आगे कर की प्रगतिशील दर लागू होगी। मान लीजिए, 12 लाख रुपये की आय में एक रुपया और जोड़ने पर, व्यक्ति को 4 लाख रुपये से ज्यादा की आय पर प्रगतिशील पैमाने पर 5प्रतिशत की दर से कर देना होगा। संभवतरू, यह उम्मीद करते हुए कि 12 लाख रुपये तक की आय वाले लोगों को पूरी कर छूट मिलेगी, सवाल यह है–श्क्या इससे घरेलू मांग बढ़ेगी?श यह देखते हुए, वर्तमान आयकरदाताओं में से 85प्रतिशत को कर के भुगतान से छूट मिलनी चाहिए। सरकार इस बदलाव पर 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान देगी। इसे मध्यम वर्ग का बजट कहा जा सकता है, जिसमें उच्च महत्वाकांक्षाओं और बयानबाजी की कमी है। यह राजकोषीय विवेक पर जोर देता है और निजी क्षेत्र के निवेश पर जोर देता है। कुल मिलाकर बजट रूढ़िवादी लगता है। बयानबाजी की कमी शेयर बाजार की धीमी प्रतिक्रिया में झलकती है। उन्होंने लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और मांग को महत्वपूर्ण स्तंभों के रूप में देखा था। उन्होंने शुरू में ही अपना मूल उद्देश्य बताते हुए कहा था–यह बजट विकास को गति देने, समावेशी विकास को सुरक्षित करने, निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने, घरेलू भावनाओं को ऊपर उठाने और भारत के उभरते मध्यम वर्ग की खर्च करने की शक्ति को बढ़ाने के लिए हमारी सरकार के प्रयासों को जारी रखता है। इस तरह, वह बढ़ती घरेलू मांग, घरेलू निजी निवेश और जमीनी स्तर पर घरेलू लघु और मध्यम उद्यमशीलता की उम्मीद कर रही थी। बजट ने लघु और मध्यम क्षेत्र को महत्व दिया है। यह सर्वोत्कृष्ट आपूर्ति पक्ष अर्थशास्त्र है। इसका एक बेहतरीन उदाहरण तब था जब राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने अमेरिकियों को बड़े कर कटौती की पेशकश की थी और वे मांग में भारी उछाल के साथ वापस आये और अमेरिकी आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया। कुल मिलाकर, छूट में उछाल को छोड़कर, कराधान दरों को अछूता छोड़ दिया गया है। क्या निम्न और मध्यम वर्ग के लिए आयकर रियायत समग्र घरेलू मांग को बढ़ावा देगी और भारत को आगामी ट्रम्प स्टॉर्म टैरिफ और एक अशांत वैश्विक अर्थव्यवस्था से पार पाने में मदद करेगी? 31 जनवरी को जारी आर्थिक सर्वेक्षण में, यह सवाल उठाया गया था और इसका उत्तर मांगा गया था। सर्वेक्षण ने तर्क दिया था कि वैश्विक स्थिति बिगड़ रही है या कम से कम वैश्वीकरण पीछे हट रहा है। इसलिए, घरेलू मांग को और बढ़ावा देने की आवश्यकता थी। भारत मुख्य रूप से घरेलू मांग के दम पर बढ़ रहा है। निर्यात केवल अवशिष्ट हो सकता है। चीन को उम्मीद है कि घरेलू मांग बढ़ने से उसे राहत मिलेगी, जो उसे अब तक नहीं मिल पाई है। साथ ही, वित्त मंत्री ने भारत के निर्यात हितों की रक्षा करने की कोशिश की है। उन्होंने सीमा शुल्क दरों और ढांचे में कुछ बदलाव किये हैं, जिन्हें ट्रंप के अमेरिका से बाधाओं के खतरे के साथ सशर्त बातचीत के रुख के लिए शुरुआती रुख कहा जा सकता है। करों को लेकर उत्साह को अलग रखते हुए, बजट भाषण कृषि क्षेत्र, यात्रा और पर्यटन, स्वास्थ्य और खनन के लिए कुछ छोटी–मोटी परियोजनाओं और प्रस्तावों की पुनरावृत्ति की तरह लग रहा था। अतिशयोक्ति न करते हुए, अंततरू यह फायदेमंद भी हो सकता है। कैसे? वित्त मंत्री ने कृषि क्षेत्र को विकास के पहले इंजन के रूप में महत्व दिया है। वित्त मंत्री ने मूल्यवर्धित कृषि को प्रोत्साहित करने की कोशिश की है। मछली पालन, फल और सब्जियां तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को विकसित करने की कोशिश की गयी है। घरेलू उद्योग के लिए, बजट घरेलू मांग के सृजन पर अपनी उम्मीदें टिकाये हुए है, जो अकेले ही नये निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा दे सकता है। आखिरकार, अगर राजकोषीय घाटे को बनाये रखना है, तो सरकारी खर्च में वृद्धि नहीं हो सकती। बजट में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं या अन्य सार्वजनिक निवेशों में बड़े सार्वजनिक निवेश की घोषणा नहीं की गयी है। सरकार घरेलू विनिर्माण में एक बड़ा कदम उठाने की उम्मीद कर रही है जो अब तक साकार नहीं हुआ है। इसके बजाय, बजट अब विनिर्माण की चुनौतियों का सामना करने के साथ–साथ रोजगार बढ़ाने के लिए छोटे और मध्यम क्षेत्र को मजबूत करने और अधिक रोजगार सृजन गतिविधियों की ओर अग्रसर है। बजट कम से कम उस दृष्टिकोण को दर्शाने का प्रयास करता है। हालांकि, ब्लॉक में एक नया बच्चा तथाकथित श्मॉड्यूलर परमाणु ऊर्जा संयंत्रश और इस प्रयास में निजी क्षेत्र की भागीदारी है। वह मोलर परमाणु संयंत्रों में अधिक उदार विदेशी प्रत्यक्ष निवेश का संकेत दे रही है। छोटे परमाणु ऊर्जा संयंत्र एक प्रमुख खिलाड़ी हो सकते हैं। यदि भारत को कृत्रिम बुद्धिमत्ता में आगे बढ़ना है तो यह एक निर्णायक कारक हो सकता है। बिजली की आसान उपलब्धता के आधार पर एआई विकसित हो सकता है।सरकार सार्वजनिक निजी भागीदारी पर भरोसा कर रही है। बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में निवेश काफी आगे बढ़ाना जरूरी था। परन्तु सरकार ने बुनियादी ढांचे में बड़े सार्वजनिक निवेश की घोषणा करने में कोई बड़ा कदम नहीं उठाया है। सीतारमण ने राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 4.4प्रतिशत पर रखा है, जबकि बजट अनुमान 4.8प्रतिशत था। यह मुख्य रूप से जीएसटी संग्रह में उछाल के कारण संभव हो सकता है। इस तरह के नियंत्रित घाटे से निजी क्षेत्र को धन जुटाने के लिए बड़ा अवसर मिलेगा। अंत में, हर बजट बड़ी घोषणा वाला नहीं हो सकता। यह बजट छोटे–छोटे कदमों के साथ आगे बढ़ने की कोशिश करता है ताकि एक बड़ी छलांग लगायी जा सके।

सिंदूर क्यों लगाती हो ? जब राष्ट्रपति ने पूछा था रेखा से यह सवाल, खूबसूरत अदाकारा ने दिया था ये जवाब

"रेखा ने पहली बार सार्वजनिक रूप से सिंदूर १९८० में ऋषि कपूर और नीतू सिंह की शादी में लगाया था। अमिताभ बच्चन और जया बच्चन सहित कई मशहूर बॉलीवुड सितारे उन्हें सिंदूर लगाए देखकर हैरान रह गए थे। जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह एक फिल्म के लिए था और वह इसे हटाना भूल गई थीं। लेकिन उसके बाद, उन्हें अक्सर सिंदूर लगाए देखा गया, जिससे लोगों में उत्सुकता और अफवाहें फैल गईं। १९८२ में जब रेखा को उमराव जान में उनकी भूमिका के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिला, तो भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी ने उनसे पूछा कि वह सिंदूर क्यों लगाती हैं। रेखा ने बस इतना ही जवाब दिया, 'मेरे शहर में सिंदूर लगाना फैशन है।'"

बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस रेखा जहां जाती हैं वहां का माहौल ही बदल देती हैं। हाल ही में लवयापा की स्क्रीनिंग में रेखा की सदाबहार खूबसूरती और उनके और धर्मेंद्र के बीच की गर्मजोशी ने वाकई सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। एक बार फिर उनके माथे पर सजे लाल सिंदूर के चर्चे होने लगे। आज हम आपको बताते हैं कि आखिर वह किस का नाम का सिंदूर लगाती हैं। रेखा कल एक शानदार सुनहरे और सफेद रंग की रेशमी साड़ी में बेहद खूबसूरत दिखीं, ने अपने खास लाल सिंदूर के साथ एक अलग ही अंदाज में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जैसे ही पपराजी ने उन्हें कैमरे के सामने कैद किया, उन्होंने शानदार तरीके से पोज दिए और कार्यक्रम स्थल के बाहर धर्मेंद्र और आमिर खान के साथ हल्की–फुल्की बातचीत की। वह हर बार खूबसूरत साड़ियों और पारंपरिक स्टाइल से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। लेकिन एक चीज जो हमेशा ध्यान खींचती है, वह है उनका सिंदूर, जिसे लेकर सालों से सवाल उठते रहे हैं। रेखा ने पहली बार सार्वजनिक रूप से सिंदूर 1980 में ऋषि कपूर और नीतू सिंह की शादी में लगाया था। अमिताभ बच्चन और जया बच्चन सहित कई मशहूर बॉलीवुड सितारे उन्हें सिंदूर लगाए देखकर हैरान रह गए थे। जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह एक फिल्म के लिए था और वह इसे हटाना भूल गई थीं। लेकिन उसके बाद, उन्हें अक्सर सिंदूर लगाए देखा गया, जिससे लोगों में उत्सुकता और अफवाहें फैल गईं। 1982 में जब रेखा को उमराव जान में उनकी भूमिका के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिला, तो भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी ने उनसे पूछा कि वह सिंदूर क्यों लगाती हैं। रेखा ने बस इतना ही जवाब दिया, ''मेरे शहर में सिंदूर लगाना फैशन है।'' सालों बाद, 2008 में एक इंटरव्यू में रेखा ने लगातार उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए कहा–, ''मुझे इस बात की चिंता नहीं है कि लोग क्या सोचते हैं। इसके अलावा, मुझे लगता है कि यह मुझ पर अच्छा लगता है। सिंदूर मुझ पर सूट करता है।'' उनका शांत और आत्मविश्वास से भरा जवाब दिखाता है कि उन्हें लोगों की राय की कितनी परवाह है। रेखा का सिंदूर उनके सिग्नेचर लुक का हिस्सा बन गया है, जो उनके आकर्षण और रहस्य को बढ़ाता है। भले ही वह कुछ समय से फिल्मों से दूर हैं, लेकिन वह बॉलीवुड में एक प्यारी शख्सियत बनी हुई हैं। उनकी शैली, शालीनता और उनके सिंदूर से जुड़े सवालों ने उन्हें दशकों तक सुर्खियों में रखा है। पर्सनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने 1990 में मुकेश अग्रवाल के साथ शादी की थी, ये अरेंज मैरिज थी। शादी के कुछ समय बाद ही मुकेश अग्रवाल की मौत हो गई थी।

अनुपम खेर-इशा दआेल स्टारर 'तुमको मेरी कसम' 21 मार्च को होगी रिलीज

अनुपम खेर, ईशा देओल स्टारर अपकमिंग फिल्म 'तुमको मेरी कसम' की रिलीज डेट सामने आ चुकी है। निर्माताओं ने बताया कि फिल्म 21 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन विक्रम भट्ट ने किया है। 'तुमको मेरी कसम' में अनुपम खेर, ईशा देओल के साथ इश्वाक सिंह, अदा शर्मा भी मुख्य भूमिका में हैं। 'तुमको मेरी कसम' इंदिरा आईवीएफ के संस्थापक डॉ. अजय मुर्डिया के जीवन से प्रेरित है। अपकमिंग फिल्म को लेकर उत्साहित विक्रम भट्ट के मेंटर महेश भट्ट ने कहा, विक्रम अभी भी क्रीज पर हैं, इतने सारे सीजन में बल्लेबाजी कर रहे हैं, हर तूफान का सामना कर रहे हैं। बॉलीवुड में जिंदा रहना सबसे कठिन कला है। वे आपको उसी क्षण गिन लेते हैं, जब आप गिरते हैं। लेकिन हर बार विक्रम उठता है। विक्रम इससे पहले कई सफल फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। इस लिस्ट में गुलाम, आवारा पागल दीवाना और कसूर समेत अन्य कई फिल्में हैं। इसके बाद विक्रम ने हॉरर फिल्म राज बनाई, जिसने देश में हॉरर जॉनर की धारणा को बदलकर रख दिया। इसके बाद उन्होंने 1920 फिल्म बनाई। विक्रम को उनकी हॉरर फिल्मों की वजह से 'हॉरर का बादशाह' भी कहा जाता है। फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे अभिनेता अनुपम खेर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अभिनेत्री ईशा देओल के साथ एक वीडियो शेयर कर तुमको मेरी कसम' की शूटिंग पूरी होने की जानकारी दी थी। अभिनेता ने एक मजेदार रील भी शेयर किया था। इंस्टाग्राम पर रील को शेयर करते हुए अभिनेता ने कैप्शन में लिखा था, विक्रम भट्ट की 'तुमको मेरी कसम' की शूटिंग पूरी हो चुकी है। यह रैप है। ईशा देओल के साथ क्रेजी रील बनाया था। यह कितना शानदार सफर रहा है। जब तक हम फिर से नहीं मिलते, तब तक डियर मैं तुम्हें और तुम्हारी हंसी को याद करूंगा। तुमको मेरी कसम के बारे में बता दें कि महेश भट्ट, इंदिरा एंटरटेनमेंट ने फिल्म का निर्माण किया है और श्वेतांबरी भट्ट और कृष्णा भट्ट प्रोजेक्ट निर्देशक हैं।

अभिषेक के जन्मदिन पर भावुक हुए अमिताभ बच्चन, पुरानी तस्वीर साझा कर लिखा-समय कितनी तेजी से बीत गया

अभिनेता अभिषेक बच्चन को 49वें जन्मदिन के अवसर पर उनके पिता और मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने खास तस्वीर के साथ शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया पर नवजात अभिषेक (1976) की तस्वीर के साथ बिग बी ने कहा कि समय तेजी से आगे निकल गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक्टिव अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर शेयर की। तस्वीर में अमिताभ मैटरनिटी वार्ड में नवजात अभिषेक के पास खड़े नजर आए, जहां उनके साथ स्टाफ नजर आ रहा है। मोनोक्रॉम तस्वीर के साथ अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, अभिषेक 49 वर्ष के हो गए और अब नए साल में प्रवेश कर रहे हैं। 5 फरवरी 1976 का वो दिन था... समय तेजी से बीत गया! उन्होंने आगे लिखा, ष्कभी–कभी मन को उत्तेजित करने और जो कहा जाना चाहिए, उसे व्यक्त करने की इच्छा होती है। मगर दुनिया भर में फैले सूचना ब्यूरो जरूरी नहीं कि आपकी लिखित भावनाओं को समझें, जिससे यह विकृत हो जाती है।" अभिषेक को जन्मदिन की शुभकामना देने के साथ ही अपने कैप्शन से अमिताभ ने उन लोगों की ओर भी इशारा किया, जो सोशल मीडिया और न्यूज मीडिया में बिना तथ्यों के साथ किसी भी बात को प्रश्नवाचक चिन्ह संग शेयर करते हैं। उन्होंने आगे लिखा, " इस वजह से इसे व्यक्त करने के बजाय अपने भीतर ही रखना चाहिए और इसे व्यक्त करने से बचना चाहिए। इसे मौन की ताकत की जरूरत नहीं है बल्कि इसे बिना शर्त कमेंट करने की संतुष्टि की जरूरत है, बजाय इसके कि इसे वायरल किया जाए क्योंकि एक 'निश्चित रूप से' कही बात कई असंबंधित लोगों को जन्म देती है। काम करें और आनंद लें। सबसे अच्छा समय बिताया।" अभिषेक ने साल 2000 में करीना कपूर खान के साथ फिल्म 'रिफ्यूजी' से बतौर लीड एक्टर करियर की शुरुआत की थी। अभिषेक के करियर का शुरुआती दौर कई असफल फिल्मों से भरा रहा। अभिनेता साल 2004 की ब्लॉकबस्टर 'धूम' में नजर आए। इसके बाद उन्होंने 'युवा', 'सरकार', 'कभी अलविदा ना कहना', 'बंटी और बबली' और 'गुरु' जैसी फिल्मों में शानदार काम किया और उन्हें दर्शकों से प्रशंसा मिली। अभिषेक 'दस', 'दोस्ताना', 'बोल बच्चन', 'हैप्पी न्यू ईयर', 'हाउसफुल 3' जैसी फिल्मों में भी नजर आए थे। अभिषेक ओटीटी पर भी नजर आए। उन्होंने 'ब्रीद इनटू द शैडोज', 'लूडो' और 'दसवीं' में काम किया। अभिषेक बच्चन ने अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन से साल 2007 में शादी की, जिनसे उनकी एक बेटी है, जिसका नाम उन्होंने आराध्या रखा है।

सनी लियोनी ने मुंबई में आठ करोड़ रुपये में प्रॉपर्टी खरीदी

फिल्म अभिनेत्री करनजीत कौर वेबर उर्फ सनी लियोनी ने मुंबई में एक कार्यालय स्थल को करीब आठ करोड़ रुपये में खरीदा है। रियल एस्टेट सलाहकार स्क्वायर याड्र्स ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी। उसने महानिरीक्षक पंजीकरण

(आईजीआर) की वेबसाइट पर इस लेनदेन के संपत्ति पंजीकरण दस्तावेजों की समीक्षा भी की है। लगभग 2,100 वर्ग फुट क्षेत्र की यह संपत्ति आठ करोड़ रुपये में खरीदी गई है। यह संपत्ति लेनदेन फरवरी, 2025 में पंजीकृत कराया गया है। यह संपत्ति वीर ग्रुप की वाणिज्यिक परियोजना 'वीर सिग्नेचर' में स्थित है। सनी लियोनी ने यह संपत्ति ऐश्वर्या प्रॉपर्टी एंड एस्टेट्स से खरीदी है।

इश्क जबरिया: काम्या के साथ काम कर उत्साहित हैं दीपशिखा, बोलीं- उनका व्यक्तित्व शानदार

दीपशिखा नागपाल सन नियो चौनल के शो 'इश्क जबरिया' की कास्ट में शामिल हो चुकी हैं। उन्हें शो में 'देवी सहाय' की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। शो में दीपशिखा पहली बार काम्या पंजाबी के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आएंगी, जिसे लेकर उन्होंने अपनी उत्सुकता जाहिर की। दोनों अभिनेत्रियां एक–दूसरे को पंद्रह साल से भी ज्यादा समय से जानती हैं, लेकिन यह पहली बार है जब वे साथ काम करती दिखेंगी। काम्या पंजाबी के साथ काम करने को लेकर उत्सुकता जाहिर करते हुए दीपशिखा नागपाल ने कहा, ष्काम्या एक शानदार अभिनेत्री हैं और उनका व्यक्तित्व भी दमदार है। जब हम सन नियो पर 'इश्क जबरिया' के सेट पर मिले थे, तो हमने एक–दूसरे को गले लगाया और अब आखिरकार हम साथ काम कर रहे हैं! हम एक–दूसरे को पंद्रह साल से भी ज्यादा समय से जानते हैं, लेकिन कभी साथ काम करने का मौका नहीं मिला। अभिनेत्री ने बताया, आमतौर पर जब कोई भूमिका आती है, तो या तो काम्या को चुना जाता है या मुझे। अक्सर हम एक जैसे किरदारों के लिए चुने जाते हैं। लेकिन पहली बार हम स्क्रीन शेयर कर रहे हैं और मैं उनके साथ काम करने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। अभिनेत्री ने कहा, "उनके साथ काम करना बहुत मजेदार है, क्योंकि जब दो मजबूत व्यक्तित्व एक साथ आते हैं, तो काम में रोमांच आता है। वह ना केवल एक शानदार अभिनेत्री हैं, बल्कि एक अद्भुत इंसान भी हैं। मैं वास्तव में शूट किए गए हमारे सीन्स का इंतजार कर रही हूं और अब तक हमने जो कुछ शूट किए हैं, वे आनंददायक रहे।" शो में काम्या पंजाबी के किरदार का नाम 'मोहिनी' है। 'इश्क जबरिया' एक पॉजिटिव सोच वाली लड़की 'गुलकी' की कहानी है, जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए दृढ़ है। वह अपनी सौतेली मां के रोकने और तमाम बाधाओं के बावजूद दृढ़ता के साथ सपनों को पूरा करने में जुटी रहती है। दीपशिखा नागपाल और काम्या पंजाबी के अलावा शो में सिद्धि शर्मा, लक्ष्य खुराना, वृद्धि तिवारी, पंकज मोतला, राघव गोसाईं, पल्लवी प्रधान, प्रणोति प्रधान, अक्षय भिंगार्डे, शगुन मट्टा, जारा कबीर, अदनान खान, वरुण पाराशर और अफजल खान भी अहम भूमिका में हैं। शकुंतलम टेलीफिल्म्स के बैनर तले श्यामाशीष भट्टाचार्य और नीलिमा बाजपेयी ने शो का निर्माण किया है। इश्क जबरिया का निर्देशन साहिब सिद्दीकी ने किया है।

दूध–दही हमारे शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। कुछ लोग दही का सेवन रोजाना करते हैं लेकिन क्या सर्दी के मौसम में दही खाना फायदेमंद है। कुछ लोगों का मानना है कि सर्दी के मौसम में दही खाने से सर्दी–खांसी और कफ जैसी समस्या होती हैं। ऐसे में इसे सुबह और खासकर रात के समय ना ही खाया जाए तो बेहतर है लेकिन इस पर एक्सपर्ट की क्या राय है चलिए जानते हैं।

सर्दी में दही खाना भी फायदेमंद

एक्सपर्ट्स का कहना है कि सर्दियों में भी दही खाना फायदेमंद ही है क्योंकि यह प्रोबायोटिक्स का अच्छा स्त्रोत होता है जो गट हेल्थ के लिए भी बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। यह पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में मदद करता है। दही आपके आंत के लिए बहुत अच्छा बैक्टीरिया है। इसमें कैल्शियम, विटामिन बी 12 और फास्फोरस भी भरपूर होता है इसलिए सर्दियों के दिनों में दही का सेवन आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को ठीक ही रखता है।

किन लोगों को नहीं खाना चाहिए ठंड में दही

हालांकि दही के फायदे ही फायदे हैं लेकिन फिर भी कुछ लोगों को ठंड के मौसम में दही खाने से परहेज करना चाहिए। जैसे जिन्हें पहले से ही सर्दी खांसी और कफ की समस्या है। ऐसे में दही खाएंगे तो यह समस्या और बढ़ेगी।

अस्थमा के मरीज

अगर अस्थमा के मरीज हैं तो भी दही खाने से परहेज करें क्योंकि दही में खट्टापन होने के चलते यह म्यूकस को बढ़ा सकता है। अस्थमा की समस्या में दही खाने से छाती में कफ जम सकता है। ऐसे में उन्हें सांस से जुड़ी दिक्कत हो सकती हैं। अगर खाने के मन है भी तो कम मात्रा में दिन के समय ही इसका सेवन करें।

अर्थराइटिस के मरीज

दही, हड्डियों और दांतों के लिए फायदेमंद माना जाता है। लेकिन अगर आपको अर्थराइटिस यानि गठिए की समस्या पहले से ही है, तो आपको दही का सेवन करने से बचना चाहिए।अर्थराइटिस के मरीजों के लिए दही का ज्यादा सेवन नुकसानदायक साबित हो सकता है। इससे जोड़ों में दर्द और सूजन की समस्या अधिक बढ़ सकती है। ठंड के मौसम में तो यह समस्या सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा सकती है।

कमजोर पाचन तंत्र वाले

अगर आपका पाचन तंत्र कमजोर है तो दही खाने से परहेज करना चाहिए। पेट में गैस और एसिडिटी है, तो भी दही का सेवन ना करें। खासतौर पर रात के समय दही बिल्कुल भी नहीं खानी चाहिए। कुछ लोग उड़द की दाल और दही का सेवन एक साथ करते हैं लेकिन ऐसा करने से एसिडिटी और अपच की समस्या बढ़ सकती है।

लैक्टोज इनटॉलरेंस से पीड़ित लोग

लैक्टोज इनटॉलरेंस से पीड़ित लोगों को भी दही खाने से बचना चाहिए। लैक्टोज इनटॉलरेंट लोगों को दूध और दही नहीं पचता है। ऐसे में, दही का सेवन करने से उन्हें डायरिया और पेट दर्द की समस्या हो सकती है। डॉक्टर की सलाह के बाद ही दही का सेवन करें। साइनस के मरीजों को भी दही नहीं खाना चाहिए नहीं तो समस्या बढ़ सकती है।

बैली फैट से छुटकारा पाना है आसान, रोज करें ये 3 सिंपल एक्सरसाइज

आजकल फिट और आकर्षक दिखना हर किसी की ख्वाहिश होती है। लेकिन पेट और कमर पर जमा चर्बी शरीर को बेडौल बना देती है। अगर आप भी अपनी कमर पतली और आकर्षक बनाना चाहते हैं, तो आपको ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं है। बस कुछ आसान एक्सरसाइज को अपनी डेली रूटीन में शामिल करें और जल्द ही फर्क महसूस करें। नीचे बताए गए ये तीन सिंपल एक्सरसाइज आपकी कमर की चर्बी को तेजी से घटाने में मदद करेंगे और आपकी बॉडी को फिट और शेप में लाने में कारगर साबित होंगे।

क्रंचेज– पेट की चर्बी कम करने की बेस्ट एक्सरसाइज

क्रंचेज पेट की चर्बी को कम करने और एब्स को टोन करने के लिए सबसे बेहतरीन एक्सरसाइज मानी जाती है। यह आपकी कोर मसल्स को मजबूत बनाती है और बैली फैट को तेजी से बर्न करने में मदद करती है।

कैसे करें क्रंचेज?

सबसे पहले फर्श पर योगा मैट बिछाकर पीठ के बल लेट जाएं। अपने पैरों को मोड़ें और घुटनों को थोड़ा ऊपर रखें। हाथों को सिर के पीछे या छाती पर रखें। अब अपने सिर और कंधों को ऊपर उठाएं और पेट की मांसपेशियों पर दबाव डालें। कुछ सेकंड रुकें और फिर धीरे–धीरे वापस नीचे आएं। इस प्रक्रिया को 15–20 बार दोहराएं।

फायदेः पेट की चर्बी तेजी से कम होती है। पेट की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। कमर को पतला और टोन किया जा सकता है।

प्लैंक– पूरे शरीर को टोन करने वाली एक्सरसाइज

प्लैंक एक ऐसी एक्सरसाइज है जो न सिर्फ आपके पेट और कमर को पतला करने में मदद करती है, बल्कि यह पूरे शरीर को मजबूत और टोन भी करती है।

कैसे करें प्लैंक?

सबसे पहले योगा मैट पर पेट के बल लेट जाएं। कोहनियों और पंजों के सहारे शरीर को ऊपर उठाएं। शरीर को सीधा रखें और पेट को अंदर की ओर खींचे। इस स्थिति में कम से कम 30 सेकंड से 1 मिनट तक रहें। धीरे–धीरे समय बढ़ाकर 2–3 मिनट तक करने की कोशिश करें।

फायदेः पेट और कमर की चर्बी तेजी से घटती है। कोर मसल्स मजबूत होते हैं। पूरे शरीर को टोन करने में मदद मिलती है।

ट्विस्टिंग– कमर को शेप में लाने की बेहतरीन एक्सरसाइज

अगर आपको स्लिम और आकर्षक कमर चाहिए तो ट्विस्टिंग एक्सरसाइज को अपनी डेली रूटीन में जरूर शामिल करें। यह आपकी कमर को शेप में लाने और पेट की चर्बी को कम करने में मदद करती है।

कैसे करें ट्विस्टिंग?

सीधे खड़े हो जाएं और अपने पैरों को कंधे की चौड़ाई जितना खोल लें।दोनों हाथों को सामने की ओर फैलाएं। अब अपनी कमर को पहले दाईं ओर मोड़ें, फिर बाईं ओर। यह प्रक्रिया 20–25 बार करें। आप इस एक्सरसाइज को बैलेंस बॉल या वेट के साथ भी कर सकते हैं।

फायदेः कमर पतली और शेप में आती है। पेट और साइड फैट तेजी से कम होता है। शरीर में फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है।

अगर आप भी अपनी कमर को स्लिम और आकर्षक बनाना चाहते हैं, तो इन तीन एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। साथ ही, हेल्दी डाइट और पर्याप्त पानी पीने की आदत डालें। रोजाना 20–30 मिनट का समय देकर आप कुछ ही हफ्तों में फर्क देख सकते हैं। तो देर किस बात की, आज से ही शुरुआत करें और खुद को फिट और हेल्दी बनाएं!

बढ़ती उम्र में त्वचा को अधिक देखभाल की जरूरत होती है। वहीं फेस को कील मुंहासों से बचाने और ग्लो को बढ़ाने और झुर्रियों से चेहरे को बचाने के लिए एक्सफोलिएशन और मॉइस्चराइजर करते रहना चाहिए।

चेहरे पर बढ़ती उम्र के निशान आने तब शुरू हो जाती है। जब शरीर में कम मात्रा में कोलेजन बनने लगता है। कोलेजन कम होने के कारण चेहरे पर ड्राइनेस के अलावा बारीक रेखाएं नजर आने लगती हैं।

इसलिए आपको अपनी त्वचा का खास ख्याल रखना पड़ता है। खासकर बढ़ती उम्र में त्वचा को अधिक देखभाल की जरूरत होती है। वहीं फेस को कील मुंहासों से बचाने और ग्लो को बढ़ाने और झुर्रियों से चेहरे को बचाने के लिए एक्सफोलिएशन और मॉइस्चराइजर करते रहना चाहिए।

हांलाकि अगर इस सारे ट्रीटमेंट्स के बार भी आपकी स्किन डल नजर आ रही है, तो इसका मतलब है कि आपको कोलेजन प्रोडक्शन को बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए आपको अपनी डाइट में कुछ नेचरुल चीजों को शामिल करना चाहिए। साथ ही आप कुछ नेचुरल चीजों से बने फेस मास्क का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं इन नेचुरल फेस पैक के बारे में...

जानिए क्या है कोलेजन

बता दें कि कोलेजन एक तरह का प्रोटीन है, जो हमारी स्किन में पहले से मौजूद होता है। कोलेजन के कारण त्वचा कोमल रहती है। साथ ही स्किन लचीली और हाइड्रेट रहती है। कोलेजन फाइब्रोब्लास्ट बनाने में सहायता करता है, जो नए सेल्स के निर्माण में अहम भूमिका निभाता है।

कोलेजन का प्रोडक्शन बढ़ाने वाले फेस मास्क

हल्दी का फेस मास्क

हल्दी हमारी त्वचा को नेचुरल ग्लो देने का काम करती है। साथ ही हल्दी में मौजूद करक्यूमिन कोलेजन प्रोडक्शन को बढ़ाने में सहायक होती है। इसके साथ ही हल्दी रंगत निखारने और दाग–धब्बे को दूर करने में मददगार होती है। हल्दी का फेस मास्क बनाने के लिए दूध में शहद और एक चुटकी हल्दी मिलाकर इसको अपने फेस पर अप्लाई करें। इस फेसपैक को 15–20 मिनट लगाए रखने के बाद नॉर्मल पानी से धो लें। इस फेसपैक को सप्ताह में दो बार लगा सकते हैं।

पपीता का मास्क

पपीता से बना फेसमास्क स्किन के लिए फायदेमंद होता है। पपीता का फेस मास्क कोलेजन को बढ़ावा देने के साथ दाग–धब्बे, मुंहासे और झुर्रियों को दूर करने में सहायक होता है। पपीते का फेस मास्क बनाने के लिए पपीते के गूदे में 2–3 बूंद नींबू का रस मिलाएं। इसको अच्छे से मिक्स कर फेस पर 15–20 मिनट के लिए अप्लाई करें।

शहद मास्क

शहद हमारी त्वचा को बिना ऑयली बनाए मॉइस्चराइज करने में मददगार होता है। शहद के इस्तेमाल से घाव, मुंहासे और स्किन टोन को एक समान बनाने में सहायक होता है। फेसपैक को बनाने के लिए शहद और दालचीनी पाउडर को अच्छे से मिक्स कर अपने फेस पर 8–10 मिनट के लिए अप्लाई करें। फिर हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धो दें।

ठंड के मौसम में स्किन में डेड स्किन सेल्स जमा हो जाती है, जिससे स्किन में डलनेस अधिक नजर आती है। यूं तो आप डेड स्किन सेल्स हटाने के लिए स्क्रब कर सकते हैं, लेकिन पील ऑफ मास्क आपको इंस्टेंट ग्लो देते हैं।

जब ठंड का मौसम आता है तो स्किन को अधिक केयर की जरूरत होती है। इस मौसम में सिर्फ स्किन ड्राईनेस की ही प्रोब्लम नहीं होती है, बल्कि स्किन में डलनेस भी बढ़ जाती है। दरअसल, इस मौसम में स्किन में डेड स्किन सेल्स जमा हो जाती है, जिससे स्किन में डलनेस अधिक नजर आती है। यूं तो आप डेड स्किन सेल्स हटाने के लिए स्क्रब कर सकते हैं, लेकिन पील ऑफ मास्क आपको इंस्टेंट ग्लो देते हैं। आप इन्हें खुद घर पर भी बना सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको विंटर के लिए कुछ ऑरेंज पील ऑफ मास्क बनाने के आसान तरीके के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप भी ट्राई कर सकते हैं–

ऑरेंज और एग व्हाइट पील ऑफ मास्क

एग व्हाइट आपकी स्किन को टाइटन करती हैं, जबकि संतरे से आपकी स्किन को रिफ्रेशिंग फील होता है। साथ ही साथ, इससे स्किन की टोनिंग होती है।

आवश्यक सामग्री

– 1 बड़ा चम्मच संतरे का रस

– 1 अंडे का सफेद भाग

इस्तेमाल का तरीका–

– सबसे पहले आप अंडा तोड़कर उसका सफेद हिस्सा निकाल लें।

– अब आप इसे अच्छी तरह फेंटे और इसमें संतरे का रस डालकर मिक्स करें।

– अब फेस को क्लीन करें और तैयार पेस्ट को चेहरे पर लगाएं।

– करीबन 15–20 मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें।

– अंत में, कोने से पील ऑफ करते हुए मास्क रिमूव करें।

संतरे और दही का पील ऑफ मास्क

दही में लैक्टिक एसिड होता है, जो त्वचा को एक्सफोलिएट और टाइट करने में मदद करता है। वहीं, संतरे का रस आपकी स्किन में चमक लाता है। यह डेड स्किन सेल्स को रिमूव करके आपकी स्किन को यंगर बनाता है।

आवश्यक सामग्री–

– 1 बड़ा चम्मच संतरे का रस

– 1 बड़ा चम्मच दही

इस्तेमाल का तरीका–

– सबसे पहले एक कटोरी में दही और संतरे का रख डालकर मिक्स करें।

– अब अपने फेस को क्लीन करके इस पेस्ट को एकसमान रूप से चेहरे पर लगाएं।

– करीबन 15 मिनट बाद आप इसे पील ऑफ करते हुए रिमूव करें।

– अब फेस को क्लीन करके मॉइश्चराइजर अप्लाई करें।

– मिताली जैन

संक्षिप्त

मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस ने दिया इतना टैक्स, देश के कुल बजट का है इतना हिस्सा

मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023–24 के लिए कॉर्पोरेट टैक्स में 1.86 लाख करोड़ रुपये का योगदान दिया है। इतना टैक्स देकर कंपनी ने एक नया माइलस्टोन स्थापित किया है। यह योगदान भारत सरकार के वार्षिक बजट का लगभग 4: है, जिससे आरआईएल देश में सबसे अधिक कर देने वाली कंपनी बन गई है।

टैक्स भुगतान में तोड़ा रिकॉर्ड

कंपनी की हाल ही में आई वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2023–24 के लिए रिलायंस इंडिया लिमिटेड का कॉर्पोरेट आयकर भुगतान पिछले वर्ष के 1.77 लाख करोड़ रुपये के योगदान से 9,000 करोड़ रुपये अधिक है। इससे भारत की शीर्ष कर–भुगतान करने वाली कंपनी के रूप में कंपनी की स्थिति मजबूत होती है।

ये उपलब्धि पाने वाली पहली भारतीय कंपनी

वित्त वर्ष 2023–24 में, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 20 लाख करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण के आंकड़े को पार करने वाली पहली भारतीय कंपनी बनकर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। वर्ष के दौरान कंपनी का बाजार पूंजीकरण 27: बढ़ा, जिससे यह विश्व की सबसे बड़ी कंपनियों में 48वें स्थान पर पहुंच गयी। इसके अतिरिक्त, आरआईएल का समेकित राजस्व पहली बार 10 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया, जो इसके सभी कारोबारी खंडों में मजबूत वृद्धि दर्शाता है।

रुपया 14 पैसे टूटकर सर्वकालिक निचले स्तर 87.57 प्रति डॉलर पर

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ब्याज दरों में कटौती की आशंका और कमजोर आर्थिक आंकड़ों के बीच रुपया बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में 14 पैसे टूटकर अपने अभी तक के निचले स्तर 87.57 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपया कमजोरी के साथ खुला और 87.57 प्रति डॉलर के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। इसकी मुख्य वजह यह है कि बाजार सहभागी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सात फरवरी 2025 को ब्याज दरों में

कटौती करने का अनुमान लगा रहे हैं और सतर्क हैं। उन्होंने बताया कि इसके अलावा विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी तथा घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के कारण भी रुपये पर दबाव जारी रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.54 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 87.57 के सर्वकालिक निचले स्तर तक फिसल गया, जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को 36 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.43 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 107.69 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74.71 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को बिकवाल रहे और उन्होंने 1,682.83 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

फरवरी में इस दिन काम नहीं करेगी UPI सर्विस, इस बैंक के ग्राहक दें ध्यान

आज कल हर तरफ डिजिटल का जमाना है। डिजिटल के जमाने में जहां पढ़ाई से लेकर सोशल गैदरिंग ऑनलाइन होने लगी है। वहीं दूसरी तरफ पैसों का लेनदेन भी डिजिटल होने लगा है। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के आने से मनी ट्रांसफर काफी आसान और वन क्लिक दूर रह गया है। आजकल डिजिटल ट्रांसफर के जरिए लोग किराने की खरीददारी से लेकर ट्रैवल रिजर्वेशन करते समय भी यूपीआई पेमेंट करना पसंद करते हैं क्योंकि ये अधिक सुविधाजनक है। अब लोगों को हर समय कैश रखने की जरुरत महसूस नहीं होती है। इस बीच देश के सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी बैंक ने बड़ा अपडेट जारी किया है जो यूपीआई से संबंधित है। एचडीएफसी बैंक ने ग्राहकों को सूचित किया है कि आठ फरवरी 2025 को कुछ घंटों के लिए यूपीआई सर्विस का उपयोग नहीं कर सकेंगे। बैंक के मुताबिक यूपीआई सेवाएं रात 12 बजे से सुबह तीन बजे तक बंद रहने वाली है। इस दौरान ग्राहक यूपीआई के जरिए पैसों का भुगतान नहीं कर सकेंगे। कंपनी के डाउनटाइम के दौरान एचडीएफसी बैंक के चालू–बचत खातों के साथ रुपे क्रेडिट कार्ड के जरिए होने वाले लेनदेन उपलब्ध नहीं होंगे।

जानें यूपीआई के बारे में

यूपीआई मूल रूप से एक डिजिटल भुगतान प्रणाली है। ये यूजर को घर बैठे आसानी से मनी ट्रांसफर करने की सुविधा देती है। यूपीआई का उपयोग कर किसी व्यक्ति को यूपीआई समर्थित ऐप जैसे कि पेटीएम, फोनपे, भीम या गूगल पे की आवश्यकता होती है। यह सिस्टम क्यूआर कोड, मोबाइल नंबर या यूपीआई आईडी जैसे विभिन्न विवरणों का उपयोग करके फंड ट्रांसफर करने में सक्षम बनाता है। यहां तक घ्धकि फीचर फोन वाले उपयोगकर्ता भी यूपीआई 123च्ल बटन का उपयोग करके यूपीआई भुगतान कर सकते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले दक्षिण अफ्रीका को एक और झटका, तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएट्जी कमर की चोट के कारण हुए बाहर

गेराल्ड कोएट्जी मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के साथ होने वाली आगामी त्रिकोणीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। वह चौंपियंस ट्रॉफी 2025 से भी बाहर हो गए हैं। साउथ अफ्रीका ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर इसकी पुष्टि की है। गेराल्ड कोएट्जी चोटिल एनरिक नॉर्खिया की जगह लेने वाले थे, लेकिन बुधवार 5 फरवरी 2025 को प्रिटोरिया के सेंटर ऑफ एक्सीलेंड में गेंदबाजी करते समय उन्होंने कमर में जकड़न की शिकायत की।

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएट्जी मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के साथ होने वाली आगामी त्रिकोणीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। वह चौंपियंस ट्रॉफी 2025 से भी बाहर हो गए हैं। साउथ अफ्रीका ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर इसकी पुष्टि की है। गेराल्ड कोएट्जी चोटिल एनरिक नॉर्खिया की जगह लेने वाले थे, लेकिन बुधवार 5 फरवरी 2025 को प्रिटोरिया के सेंटर ऑफ एक्सीलेंड में गेंदबाजी करते समय उन्होंने कमर में जकड़न की शिकायत की। क्रिकेट साउथ अफ्रीका की ओर से जारी बयान में कहा गया कि, प्रोटियाज के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएट्जी पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी त्रिकोणीय एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। 24 वर्षीय खिलाड़ी को बुधवार सुबह प्रिटोरिया के सेंटर ऑप एक्सीलेंस में प्रशिक्षण के दौरान अपने 10 ओवर पूरे करने के दौरान कमर में जकड़न का अनुभव हुआ। प्रोटियाज मेडिकल टीम द्वारा आगे के मूल्यांकन के बाद, ये तय किया गया कि इन लक्षणों के कारण आगामी 50 ओवर के मैच के लिए आवश्यक हाई बॉलिंग लोड पर गंभीर चोट का खतरा बढ़ गया है। उचित समय पर उनके रिप्लेसमेंट की घोषणा की जाएगी। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने ये भी पुष्टि की गेराल कोएट्जी 19 फरवरी से शुरू होने वाली चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। बयान में कहा गया है, कोएट्जी के नामम परआईसीसी चौंपियंस ट्रॉपी 2025 के चयन के लिए विचार नहीं किया जाएगा। गेराल्ड कोएट्जी को पहले हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण SA20 टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था। उन्हें पहले त्रिकोणीय सीरीज के पहले मैच के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम में शामिल किया गया था, लेकिन बाद में चोट की गंभीरता के कारण उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। कोएट्जी ने साउथ अफ्रीका के लिए 14 वनडे मैच खेले हैं और 31 विकेट लिए हैं। दक्षिण अफ्रीका त्रिकोणीय सीरीज के अपने पहले मैच में 10 फरवरी को लाहौर में न्यूजीलैंड से भिड़ेगा। उसके दो दिन बाद कराची में पाकिस्तान से भिड़ेगा। त्रिकोणीय सीरीज का फाइनल 14 फरवरी को कराची में होगा। चौंपियंस ट्रॉफी के लिए ग्रुप बी में शामिल दक्षिण अफ्रीका अपने अभियान की शुरुआत 21 फरवरी को कराची में अफगानिस्तान के खिलाफ मैच से करेगा। उसके ग्रुप की अन्य टीमें ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले ऑस्ट्रेलिया को तगड़ा झटका, मार्कस स्टोयनिस ने संन्यास लेकर सबको चौंकाया

ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने अचानक वनडे क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर सबको चौंका दिया है। स्टोइनिस का नाम आगामी चौंपियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया के स्क्वॉड में था, लेकिन अब उनके रिटायरमेंट के फैसले के बाद ऑस्ट्रेलिया को स्क्वॉड में बदलाव करना होगा। स्टोइनिस के संन्यास से ये अटकलें लगाई जा रही हैं कि ऑस्ट्रेलियाई खेमे में कुछ ठीक नहीं चल रहा है। स्टोइनिस ने चौंपियंस ट्रॉफी के लिए स्क्वॉड में नाम होने के बावजूद अचानक संन्यास की घोषणा की है। उनका कहना है कि वह टी20 क्रिकेट पर अपना ध्यान केंद्रीत करना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया के इस हरफनमौला ने 2015 में डेब्यू किया था जिसके बाद उन्होंने 71 वनडे मैच खेले। जिसमें उन्होंने 1495 रन बनाने के साथ–साथ 48 विकेट भी चटकाए हैं। इस दौरान स्टोइनिस ने कहा कि, ऑस्ट्रेलिया के लिए वनडे क्रिकेट खेलना एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। और मैं हरे और सुनहरे रंग के मैदान में बिताए हर पल के लिए आभारी हूं। उच्चतम स्तर पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना कुछ ऐसा है जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा। ये एक आसान निर्णय नहीं था, लेकन मेरा मानना है कि मेरे लिए वनडे से दूर रहने और अपने करियर के अगले अध्याय पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित करने का यही सही समय है। रॉन यानी एंड्रयू मैकडॉनल्ड के साथ मेरा बेहतरीन रिश्ता है और मैं उनके समर्थन की बहुत सराहना करता हूं। बता दें कि, स्टोइनिस ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2017 में ऑकलैंड में न्यूजीलैंड के खिलाफ 146 रनों की नाबाद पारी खेलकर किया।

यशस्वी जायसवाल और हर्षित राणा को वनडे डेब्यू, विराट कोहली प्लेइंग 11 से हुए बाहर

भारत और इंग्लैंड के बीच नागपुर में पहला वनडे मैच खेला जा रहा है। वहीं इस मुकाबले का टॉस टॉस से पहले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और तेज गेंदबाज हर्षित राणा को वनडे में डेब्यू का मौका मिला है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने यशस्वी जायसवाल को डेब्यू कैप दी वहीं हर्षित राणा को मोहम्दम शमी से कैप मिली। हालांकि, उम्मीद की जा रही थी कि वरुण चक्रवर्ती को मौका मिलेगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

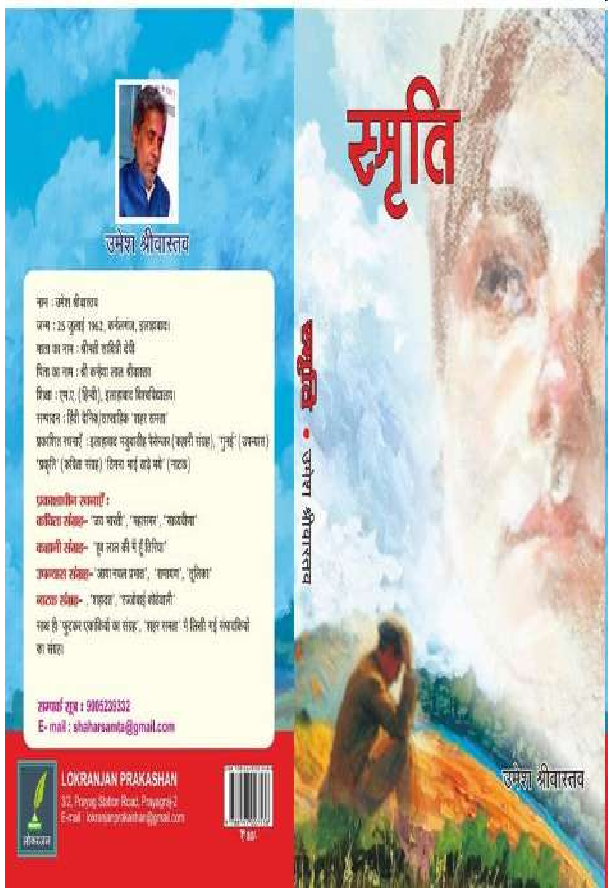

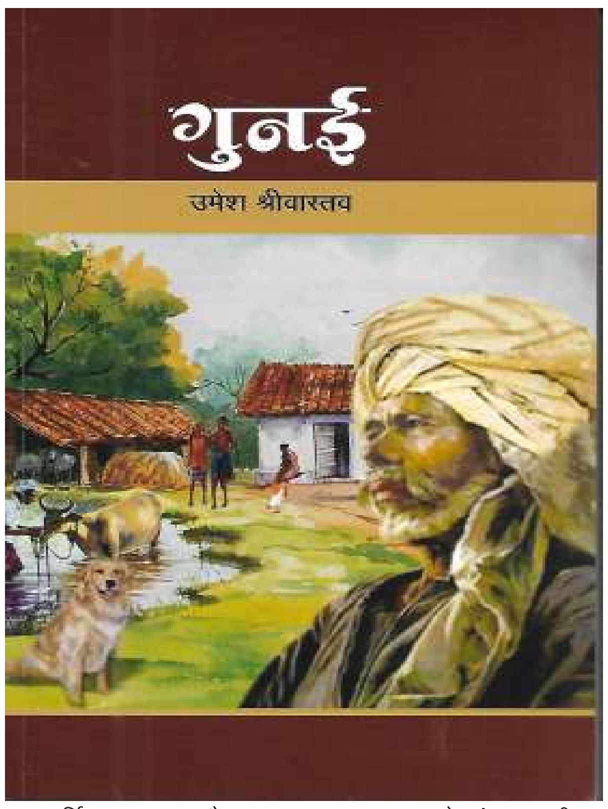

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

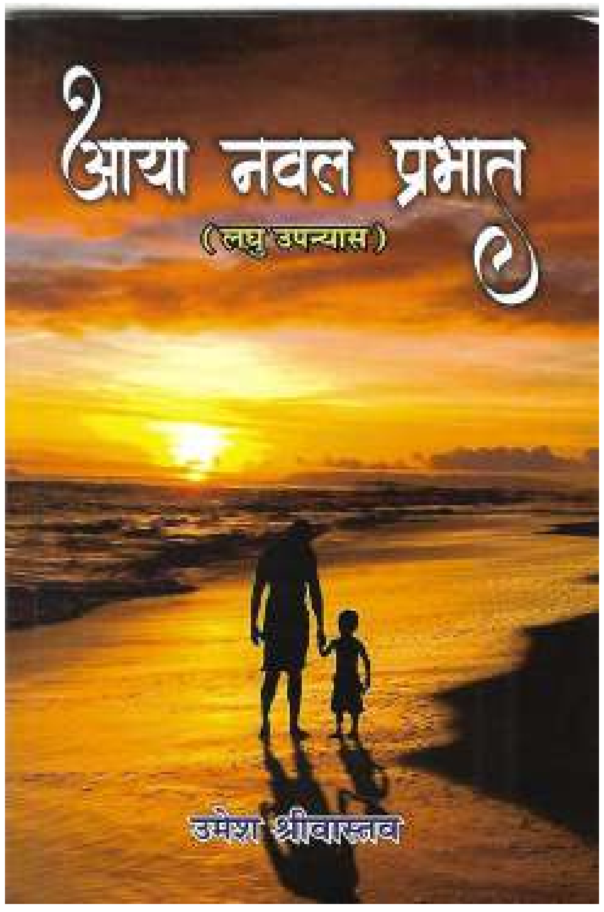

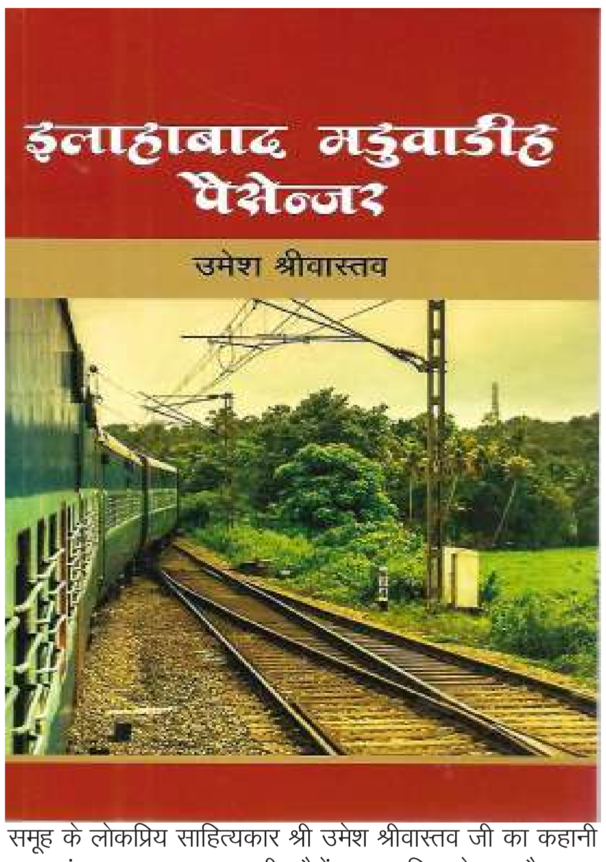

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

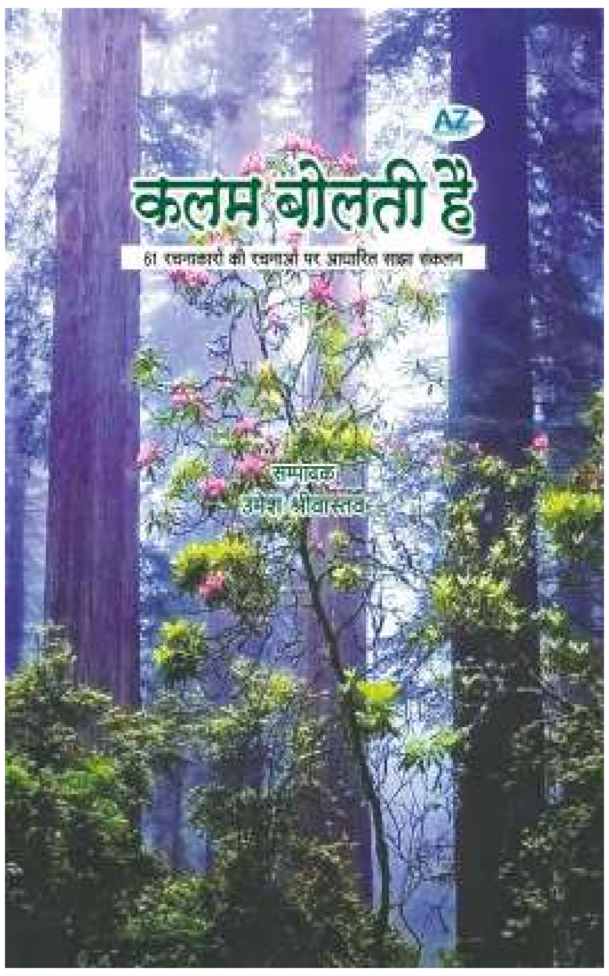

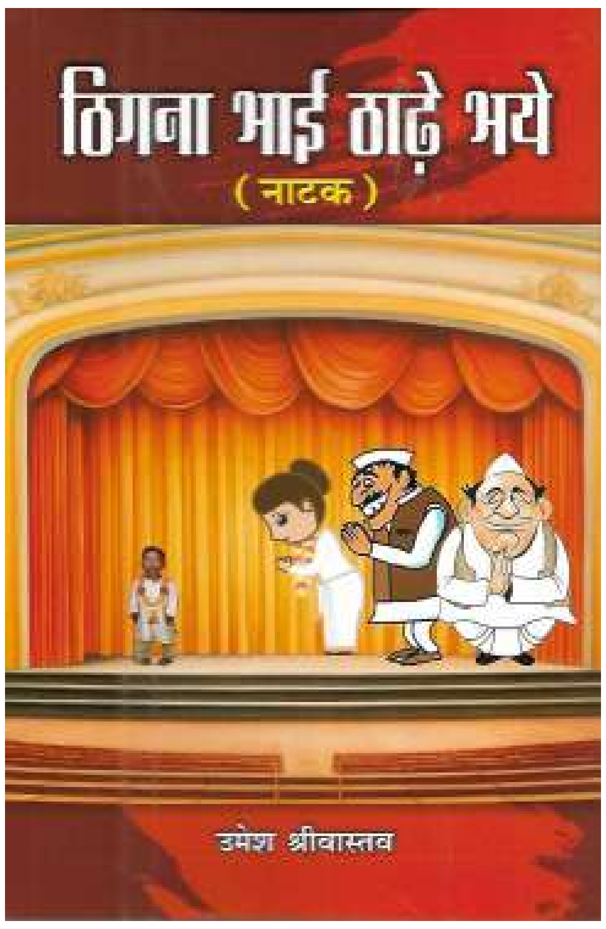

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

पहले अमेरिका और अब इजरायल हुआ बाहर, क्या संयुक्त राष्ट्र में बदलाव का वक्त आ गया है? भारत भी लेगा बड़ा फैसला!

क्या यूनाइटेड नेशन का अंत नजदीक आ गया है। दरअसल, अमेरिका ने यूएनएचआरसी से बाहर निकलने का फैसला कर लिया है। पहले डब्लूएचओ और अब संयुक्त राष्ट्र मावाधिकार परिषद की बारी है। भारत की तरफ से भी पिछले कई सालों से यूएनएचआरसी में बदलाव की बात की जा रही है। तो ऐसे में सवाल उठने लगे हैं कि क्या बदलाव नहीं हुआ तो भारत भी यूएन से बाहर होगा? यूएनएचआरसी यानी संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद पर हमेशा से ये आरोप लगता रहा है कि वो एकतरफा फैसला लेता है। अमेरिका का दावा है कि यूएनएचआरसी में इजरायल के खिलाफ पक्षपात किया जाता है। ट्रंप प्रशासन का मानना है कि ये संस्था भ्रष्ट हो चुकी है और इसमें सुधार की जरूरत है। साल 2019 में अमेरिका और इजरायल ने यूनेस्को से खुद को अलग कर लिया था और इजरायल ने एजेंसी की आलोचना करते हुए कहा था कि यह उसके देश की सीमाओं के भीतर यहूदी इतिहास को खत्म कर रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की घोषणा के एक दिन बाद इज़राइल ने भी उसी का पालन करने का फैसला किया। इज़राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने घोषणा की कि यहूदी राष्ट्र संयुक्त राष्ट्र निकाय में अपनी भागीदारी रोक देगा।

इजराइल ने यूएनएचआरसी पर लगाया भेदभाव करने का आरोप

इजरायली मंत्री सार ने दावा किया कि यूएनएचआरसी का हमारे खिलाफ भेदभाव का रवैया रहा है। इसके लिए समर्पित है। इजरायली मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यूएनएचआरसी ने इजरायल के खिलाफ 100 से अधिक निंदात्मक प्रस्ताव पारित किए हैं, जो अब तक पारित सभी प्रस्तावों का 20 प्रतिशत से अधिक है। दिलचस्प बात यह है कि यह ईरान, क्यूबा, घ्उत्तर कोरिया और वेनेजुएला जैसे देशों के खिलाफ कुल संयुक्त प्रस्तावों से भी अधिक है। इजराइल अब इस भेदभाव को स्वीकार नहीं करेगा।

ट्रंप ने अमेरिका को किया अलग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) से अमेरिका के अलग होने संबंधी एक शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किए और फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए एजेंसी को भविष्य में सहायता राशि जारी करने पर भी रोक लगा दी है। ट्रंप ने मंगलवार को अपने प्रशासन को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) में उसकी भागीदारी की समीक्षा करने का भी निर्देश दिया। शासकीय आदेश में कहा गया कि अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भविष्य के वैश्विक संघर्षों को रोकने और अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त राष्ट्र की स्थापना में मदद की थी। लेकिन संयुक्त राष्ट्र की कुछ एजेंसियां और इकाई इस मिशन से भटक गए हैं और इसके बजाय अमेरिका के हितों के विपरीत कार्य कर हमारे सहयोगियों को निशाना बना रहे हैं और यहूदी–विरोधी प्रचार कर रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र और भारत

भारत के साथ संयुक्त राष्ट्र का व्यवहार हमेशा सामान्य ही रहा है। हालांकि कुछेक मौकों पर भारत को इस संस्था से निराशा हाथ लगी। वर्ष 1948 में जम्मू–कश्मीर समस्या, वर्ष 1971 का पूर्वी पाकिस्तान का संकट और आजकल आतंकवाद के मुद्दे पर जिस तरह से संयुक्त राष्ट्र ने भारत के साथ व्यवहार किया उससे आम जनता का इस पर से थोड़ा भरोसा कम हुआ है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत स्थायी सदस्यता की दावेदारी कर रहा है पर उसे अभी तक यह दर्जा हासिल नहीं हुआ है। भारत के प्रधानमंत्री ने यूएजीए के 76वें सत्र को संबोधित करते हुए इस संस्था को नसीहत भी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की पुरजोर पैरवी की। उन्होंने नसीहत दी कि अगर वह सुधारों की दिशा में नहीं बढ़ा तो अपनी प्रासंगिकता गंवा देगा। पीएम बोले कि आज यूएन पर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं।

संक्षिप्त

ट्रंप ने ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों को लड़कियों, महिलाओं के खेलों से बाहर करने के आदेश पर हस्ताक्षर किए

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एक शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों को लड़कियों और महिलाओं के खेलों में हिस्सा लेने से प्रतिबंधित करना है। ''पुरुषों को महिलाओं के खेलों से दूर रखना'' शीर्षक वाला यह आदेश संघीय एजेंसियों को यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक छूट देता है कि संघीय वित्त पोषण प्राप्त करने वाली संस्थाएं ट्रंप प्रशासन के दृष्टिकोण के अनुरूप उस नियम का पालन करें, जो व्यक्ति के जन्म के समय निर्धारित ''लिंग'' को ही मान्यता दे। ट्रंप ने व्हाइट हाउस

(अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक कार्यालय एवं आवास) के 'ईस्ट रूम' में एक हस्ताक्षर समारोह में कहा, ''इस शासकीय आदेश के साथ महिलाओं के खेलों पर विवाद समाप्त हो गया है।'' इस समारोह में पूर्व कॉलेजिएट तैराक रिले गेन्स सहित कई सांसद और महिला खिलाड़ी मौजूद थे, जो प्रतिबंध के समर्थन में सामने आए थे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि यह आदेश नियमों के अनुरूप है और इससे महिलाओं को एकल–लिंग खेल और एकल–लिंग लॉकर रूम से वंचित करने वाले ''स्कूलों एवं एथलेटिक संघों'' के खिलाफ कार्रवाई करना संभव हो पाएगा। ट्रंप का यह शासकीय आदेश ऐसे समय में आया है, जब राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन होने वाला है।

यूनुस सरकार पर फूटा शेख हसीना का गुस्सा, घर पर हमले के बाद हुई आगबबूला

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना मोहम्मद युनुस सरकार से बेहद गुस्सा है। देश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान

के ऐतिहासिक आवास को प्रदर्शनकारियों ने जला दिया है। इस घटना के बाद शेख हसीना बेहद गुस्से में है। शेख हसीना ने पाकिस्तानी सेना का हवाला दिया है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री शेख मुजीबुर्रहमान के बेटी शेख हसीना ने कहा कि ये आवास हमारे राष्ट्रपिता की निशानी था। इसी आवास में रहते हुए बांग्लादेश की आजादी का बिगुल बजाया गया था।

अमेरिका के ओहायो में गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत, पांच घायल

अमेरिका के ओहायो में सौंदर्य प्रसाधनों के एक गोदाम में मंगलवार की रात हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि पांच अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। न्यू अल्बानी शहर के प्रवक्ता ने बताया कि घायलों को अस्पताल भेजा गया है और संदिग्ध हमलावर संभवतरू अब गोदाम में नहीं है। न्यू अल्बानी पुलिस प्रमुख ग्रेग जोन्स ने रात 11 बजे से कुछ ही देर पहले हुई गोलीबारी को, निशाना साधकर किया गया हमला बताया। जोन्स ने कहा कि संदिग्ध अब आम जनता के लिए खतरा प्रतीत नहीं होता है। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''एक व्यक्ति पर संदेह है और हम उसका पता लगाने और उसे हिरासत में लेने की कोशिश कर रहे हैं।

सिएटल हवाई अड्डे पर डेल्टा विमान के पिछले हिस्से से टकराई जापान एयरलाइंस की फ्लाइट, बाल–बाल बचे 327 यात्री

सिएटल। वॉशिंगटन डीसी के करीब रीगन राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास हाल ही में हुए सबसे भयावह हादसे के बाद बुधवार को सुबह–सुबह सिएटल हवाई अड्डे पर एक बड़ा हादसा होने से टल गया। यहां उड़ान भर रहा जापान एयरलाइंस का एक विमान बुधवार सुबह पार्क में खड़े डेल्टा विमान के पिछले हिस्से से टकरा गया। हवाईअड्डे के अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी है। अधिकारियों ने बताया कि ये घटना सुबह 10रू17 बजे के आसपास हुई। हवाईअड्डे के अधिकारियों ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर बताया कि हालांकि इस घटना में दोनों विमानों के यात्रियों को कोई हानि नहीं पहुंची। हादसे के बाद जापान एयरलाइंस की उड़ान 68 और डेल्टा एयरलाइंस की उड़ान 1921 के सभी यात्रियों को बिना किसी चोट के विमान से उतार दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि घटना टैक्सी लेन पर होने के कारण हवाई अड्डे के संचालन पर न्यूनतम प्रभाव पड़ा। हवाई अड्डे के प्रवक्ता सैम लिक्टमैन ने कहा है कि इस घटना की संघीय उड्डयन प्रशासन जांच करेगा।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

ट्रंप फलस्तीनियों को अस्थायी रूप से ही गाजा से बाहर बसाना चाहते हैं : अमेरिकी अधिकारी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष राजनयिक और उनकी मुख्य प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि ट्रंप फलस्तीनियों को अस्थाई रूप से ही गाजा पट्टी से बाहर निकालकर किसी और जगह पर बसाना चाहते हैं। दोनों अधिकारियों की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब गाजा पट्टी पर "स्वामित्व" स्थापित करने और फलस्तीनी निवासियों को वहां से बाहर निकालकर स्थायी रूप से कहीं और बसाने के ट्रंप के प्रस्ताव का अमेरिका के सहयोगी देशों के साथ रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने भी विरोध किया है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो और व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप ने केवल युद्ध प्रभावित गाजा पट्टी का पुनर्विकास सुनिश्चित करने के लिए लगभग 18 लाख गाजा वासियों को अस्थायी रूप से कहीं और स्थानांतरित करने का सुझाव दिया। फलस्तीनियों ने ट्रंप के इस प्रस्ताव की कड़ी आलोचना की है। उन्हें डर है कि अगर वह गाजा पट्टी से कहीं और जाने को तैयार हुए, तो उन्हें कभी वापस लौटने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ट्रंप ने जिन अरब देशों से गाजा में रहने वाले फलस्तीनियों को अपने यहां बसाने का अनुरोध किया है, उन्होंने भी इस प्रस्ताव का विरोध किया है। बतौर विदेश मंत्री अपनी पहली विदेश यात्रा पर ग्वाटेमाला सिटी पहुंचे रूबियो ने ट्रंप के प्रस्ताव को "बहुत उदार" प्रस्ताव बताया, जिसका मकसद इजराइल और हमास के बीच लगभग 15 महीने पहले शुरू हुए युद्ध से तबाह गाजा पट्टी से मलबा हटाना और उसका पुनर्विकास सुनिश्चित करना है। रूबिया ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, "गाजा पट्टी के पुनर्विकास की प्रक्रिया के दौरान जाहिर तौर पर लोगों को कहीं न कहीं रहना होगा।" वहीं, वाशिंगटन में अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में लेविट ने कहा कि गाजा "एक विध्वंस स्थल" में तब्दील हो गया है और वहां बड़े पैमाने पर मची तबाही का मंजर किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने कहा, "गाजा इंसानों के लिए रहने लायक नहीं रह गया है और ऐसे गंभीर हालात में लोगों को वहां रहने का सुझाव देना कहीं से भी ठीक नहीं होगा। राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र के पुनर्विकास के लिए लोगों को वहां से अस्थाई तौर पर निकालना होगा।" ट्रंप ने मंगलवार को कहा था, "अमेरिका गाजा पट्टी पर स्वामित्व स्थापित करेगा। हम इस क्षेत्र के स्वामी होंगे और वहां सभी खतरनाक हथियारों एवं बम को नष्ट करने के साथ ही क्षतिग्रस्त इमारतों के मलबे को हटाने तथा आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे, जो असीमित संख्या में नौकरियां उपलब्ध कराएगा।

ट्रंप की धमकी का दिखा असर, अब बिना कोई शुल्क दिए पनामा नहर से गुजरेंगे अमेरिकी सरकारी जहाज

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पनामा नहर पर कब्जे की धमकी का असर नजर आने लगा है। पनामा ने पनामा नहर से गुजरने वाले अमेरिकी सरकारी जहाजों के लिए शुल्क समाप्त करने पर सहमति जताई है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के पनामा का दौरा करने के बाद यह बयान सामने आया है।

ट्रंप ने कही थी कब्जा करने की बात

गौरतलब है कि अमेरिका के समुद्री व्यापार का बड़ा हिस्सा पनामा नहर के जरिए होता है। डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद से ही पनामा नहर पर कब्जे की बात कर रहे हैं। ट्रंप ने आरोप लगाया कि चीन, पर्दे के पीछे से पनामा नहर का

संचालन कर रहा है। ट्रंप ने शपथ ग्रहण समारोह के बाद अपने संबोधन में भी ये बात दोहराई थी। उन्होंने कहा कि श्पनामा नहर हमने पनामा को उपहार में दी थी, लेकिन अब इसका संचालन चीन कर रहा है। हमने इसे चीन को नहीं दिया था और अब हम इसे वापस लेंगे।

विदेश मंत्री ने चीन का प्रभाव कम करने के लिए कहा

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बीते रविवार को पनामा का दौरा किया था। उन्होंने पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो से कहा था कि पनामा को पनामा नहर क्षेत्र पर चीन के बढ़ते प्रभाव को कम करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो ट्रंप प्रशासन आवश्यक कदम उठाने को तैयार होगा। नहर की मौजूदा स्थिति को स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसमें तत्काल परिवर्तन नहीं किया गया तो अमेरिका को समझौते के तहत अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने होंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने प्रशासक रिकोर्टे वास्केज के साथ नहर का दौरा भी किया था।

पनामा नहर क्यों है अहम

पनामा नहर वैश्विक भू–राजनीति में अहम मानी जाती है। यह 82 किलोमीटर लंबी नहर अटलांटिक महासागर और प्रशांत महासागर को जोड़ती है। पूरी दुनिया का छह फीसदी समुद्री व्यापार पनामा नहर से ही होता है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था के लिए भी पनामा नहर बेहद अहम है क्योंकि अभी न्यूयॉर्क से सैन फ्रांसिस्को जाने वाले मालवाहक जहाजों को पनामा नहर के जरिए दूरी 8370 किलोमीटर पड़ती है, लेकिन अगर पनामा नहर की बजाय पुराने मार्ग से माल भेजा जाए तो जहाजों को पूरे दक्षिण अमेरिकी देशों का चक्कर लगाने के बाद सैन फ्रांसिस्को जाना होगा और ये दूरी 22 हजार किलोमीटर से ज्यादा होगी। अमेरिका का 14 फीसदी व्यापार पनामा नहर के जरिए ही होता है। कह सकते हैं कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए ही पनामा नहर लाइफलाइन का काम करती है। अमेरिका के साथ ही दक्षिण अमेरिकी देशों का बड़ी संख्या में आयात–निर्यात भी पनामा नहर के जरिए ही होता है। एशिया से अगर कैरेबियाई देश माल भेजना हो तो जहाज पनामा नहर से होकर ही गुजरते हैं। खुद पनामा की अर्थव्यवस्था इस नहर पर निर्भर है और पनामा की सरकार को पनामा के प्रबंधन से ही हर साल अरबों डॉलर की कमाई होती है। पनामा नहर पर कब्जा होने की स्थिति में पूरी दुनिया की आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने का खतरा है। पनामा नहर का निर्माण साल 1881 में फ्रांस ने शुरू किया था, लेकिन इसे साल 1914 में अमेरिका द्वारा इस नहर के निर्माण को पूरा किया गया। इसके बाद पनामा नहर पर अमेरिका का ही नियंत्रण रहा, लेकिन साल 1999 में अमेरिका ने पनामा नहर का नियंत्रण पनामा की सरकार को सौंप दिया। अब इसका प्रबंधन पनामा कैनाल अथॉरिटी द्वारा किया जाता है। पनामा नहर को इंजीनियरिंग का चमत्कार माना जाता है और इसे आधुनिक दुनिया के इंजीनियरिंग के सात अजूबों में से एक माना जाता है।

अमेरिका में बर्ड फ्लू के नए मामले ने बढ़ाई चिंता, अब गायों में पाया गया नया स्ट्रेन

नेवादा। अमेरिका के नेवादा में डेयरी फॉर्म में रहने वाली गायों में बर्ड फ्लू के नए स्ट्रेन के संक्रमण का पता चला है। बर्ड फ्लू का यह स्ट्रेन बीते साल से अमेरिका में फैल रहे संस्करण से अलग है। विशेषज्ञों का कहना है कि पक्षी से होने वाले संक्रमण का मवेशियों में फैलना बहुत ही दुर्लभ घटना है। रिपोट्र्स के मुताबिक, वायरस के अलग–अलग स्ट्रेन जिन्हें टाइप भ्5छ1 कहा जाता है, इससे पहले दो बार जंगली पक्षियों से मवेशियों में फैल चुके हैं। यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ़ एग्रीकल्चर के

मुताबिक, नेवादा के मवेशियों में बर्ड फ्लू के जिस स्ट्रेन का पता चला है उसे डी1.1 के नाम से जाना जाता है। बीते दिसंबर में जांच के दौरान दूध में इसका पता चला था। वहीं, मार्च 2023 के अंत में पता चला था कि भ्5छ1 बर्ड फ्लू वायरस के ठ3.13 स्ट्रेन का संक्रमण मवेशियों में भी हुआ है। इसने 16 कई राज्यों में 950 से अधिक मवेशियों को संक्रमित किया है। पक्षियों से मवेशियों में बर्ड फ्लू के संक्रमण को लेकर सेंट जूड चिल्ड्रेन रिसर्च हॉस्पिटल के इन्फ्लूएंजा विशेषज्ञ रिचर्ड वेबी कहते हैं कि मुझे हमेशा लगता था कि एक पक्षी से गाय में संक्रमण बहुत ही दुर्लभ घटना है। मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक बीते महीने संक्रमित मुर्गियों के संपर्क में आने के बाद अमेरिका में भ्5छ1 से पहली मौत का मामला सामने आया है। इस घटना ने खतरे की घंटी बजा दी है। बर्ड फ्लू को लेकर जांच कर रही वैज्ञानिकों की टीम ने बताया कि वायरस में बहुत तेजी से म्यूटेशन देखा जा रहा है। बर्ड फ्लू के एक स्ट्रेन में नौ म्यूटेशंस का पता चला है। वैज्ञानिकों ने बताया कि ये म्यूटेशन वायरस को अत्यधिक संक्रामकता वाला बनाते हैं। बर्ड फ्लू के इस स्ट्रेन के मस्तिष्क में रिप्लीकेट होने का खतरा भी अधिक माना जा रहा है। क्या बर्ड फ्लू वैश्विक स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती बनने जा रहा है, इस बारे में अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि वायरस के स्ट्रेन्स की बारीकी से निगरानी की जानी चाहिए। नए म्यूटेशन किस प्रकृति के हैं इसको समझा जाना अभी बाकी है। हालांकि हाल के मामलों पर नजर डालें तो पता चलता है कि ये वायरस तेजी से संक्रामकता बढ़ाने वाला हो सकता है और इसके प्रसार की गति भी अधिक हो सकती है। हाल के महीनों में बर्ड फ्लू वायरस कई खाद्य–पेय पदार्थों पाया गया। कई स्थानों पर गायों और कच्चे दूध में वायरस की पुष्टि हुई जिसको लेकर विशेषज्ञों ने चिंता जताई है। येल स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ की डीन डॉ. मेगन रैनी ने एक रिपोर्ट में कहा, ऐसे कई मामले देखे गए हैं जिसमें बर्ड फ्लू के संक्रमण ने गंभीर जटिलताएं बढ़ा दी हैं। इस वायरस को लेकर विशेष सावधानी और गहन चर्चा की जरूरत है क्योंकि इसमें एक संभावित महामारी की क्षमता हो सकती है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।